

Missing No. 30
25 July

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. २७]

नई दिल्ली, सनिवार, जुलाई 4, 1981/प्राषाद, १३, १९०३

No. २७]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 4, 1981/ASHADHA 13, 1903

इस भाग में विभिन्न पुल्ल संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II —खण्ड ३ —उप-खण्ड (i)

PART II —Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय व्यवस्थापन विभाग के अस्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं।

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

विधि, न्याय और कार्य मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, ९ जून १९८१

सं० का० नि० ६११—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद ३०९ के परन्तुकु द्वारा प्रदत्त विधियों का प्रयोग करते हुए, विधि, न्याय और कार्य मंत्रालय, विधि कार्य विभाग और विधायी विभाग (भूमूल व पद) भर्ती नियम, १९७५ का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम विधि, न्याय और कार्य मंत्रालय, विधि कार्य विभाग और विधायी विभाग (भूमूल व पद), भर्ती (संशोधन) नियम, १९८० है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रदूत होते हैं। विधि न्याय और कार्य मंत्रालय विधि कार्य विभाग और विधायी विभाग (संशोधन) भर्ती नियम, १९७५ में नियम ४क के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्—

“४ क अपराधी वे रूप में नियुक्त अधिकारीयों को होमगार्ड के रूप में प्रशिक्षण लेने का वायित्व: इन नियमों में किसी भाव के होते हुए भी इन नियमों के अधीन चपरासी के रूप में नियुक्त प्रत्येक अधिकारी होमगार्ड के रूप में नीन वर्ष का प्रशिक्षण लेगा;

परन्तु प्रशिक्षण के दौरान किसी व्यक्ति के कायं तथा उसके द्वारा प्राप्त प्रशिक्षण स्वर को ध्यान में रखते हुए महासमावेष्टा, होमगार्ड, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके ऐसी अवधि को घटा कर दी जर्वे कर सकेगा।”

[का० मं०-ए-१२०१८(१)/७५ प्रणा० II (वि० का०)]
ए.जी. मंडल, अव० सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 9th June, 1981

G.S.R. 611.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Law, Justice and Company Affairs, Department of Legal Affairs and Legislative Department (Group D posts) Recruitment Rules, 1975, namely :—

1. (1) These rules may be called the Ministry of Law, Justice and Company Affairs, Department of Legal Affairs and Legislative Department (Group D posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1980.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Ministry of Law, Justice and Company Affairs Department of Legal Affairs and Legislative Department (Group D posts) Recruitment Rules, 1975 for rule 4A, the following rule shall be substituted, namely :—

"4A Liability of persons appointed as Peons to undergo training: as Home Guards.—Notwithstanding anything contained in these rules, every person appointed as a Peon under these rules shall undergo training as a Home Guard for a period of three years;

Provided that the Commandant General Home Guards, may having regard to the Performance of and standard of training achieved by any person during the period of training reditce such period to two years for reasons to be recorded in writing."

[F. No. A-12018(1)/75-Adm.II(LA)]

H. G. MANDAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 जून, 1981

सा. का. नि. 612.—पूर्व विधायक अधिनियम, 1890 (1890 का 6) की धारा 10 के अनुमति में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा केंद्र 59,700/- रुपये (उनसठ हजार सात सौ रुपये) की प्रत्यक्ष कीमत के पश्चिम बंगाल ऋण की 53/4 प्रतिशत को जो मूल बोर्ड के ज्यूइन पूर्त विधायक की ओर से भारत के कोषाध्यक्ष के पास है, पंचवर्षीय डाकखाना माध्यम संचित योजना उम्में उसकी बिक्री दाय के पुनः निर्देश के लिए समय में पहले बिक्री के लिए निर्देश करती है।

[सं. 1/1/81-न्यायिक]

के. एल. अरोड़ा, उप सचिव

New Delhi the 18th June, 1981

G.S.R. 612.—In pursuance of section 10 of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890) the Central Government hereby directs premature sale of 5 31/4 per cent West Bengal Loan, 1983 of the face value of Rs. 59,700 (Rupees Fifty nine thousand and seven hundred) only held by the Treasurer of Charitable Endowments for India on behalf of the Jewish Charitable Endowment Fund of the Musa Board for reinvestment of the sale proceeds thereof in Five-Year Post Office Time Deposit Scheme.

[No. 1/1/81—Judl.]

K. L. ARORA, Dy. Secy.

गृह भवालय

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली, 16 जून 1981

सा. का. नि. 613.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 148 के अंड (5) और अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारतीय लेखा परीक्षक तथा लेखा विभाग में सेवा कर रहे अधिकार्यों के संघर्ष में भारत के विधायक महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात, केन्द्रीय विविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियम, 1965 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अधिकृत :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय विविल सेवा (अस्थायी सेवा) संशोधन नियम, 1981 है।

(2) ये गजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय विविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियम, 1965 के नियम 11 के उपनियम (1) में,—

(क) अंड (क) के स्थान पर निम्नलिखित अंड रखा जाएगा, अधिकृत :—

"(क) अपनी सेवा के प्रथम संपूर्ण वर्ष के लिए उम दशा में एक मास के बेतत के आधे की दर में उपचान पाने का पात्र होगा

जब कि समाप्ति के समय उसने कम से कम पात्र वर्ष निरतर सेवा कर ली हो",

(ल) अंड (ब) में, "निरंतर" और "रोना" के बीच में शाने दाने "स्थायित्व" शब्द का लोप विया जाएगा;

(ग) उपनियम (6) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अधिकृत :—

"(6) इस नियम के प्रयोजनों के लिए, "निरतर सेवा" में कुल सेवा अधिकृत है, जिसके असरम स्थायित्व और अस्थायी सेवा के अन्यकाल भी है।"

[मल्ला 12011/2/79-स्था०गी०]
बा. एम. निम, उप सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 16th June, 1981

G.S.R. 613.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 and clause (5) of article 148 of the Constitution, and after consultation with the Comptroller and Auditor General of India in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Temporary Service) Amendment Rules, 1981

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 11 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965 in sub-rule (1)(a) for clause (a) the following clause shall be substituted, namely :—

"(a) one half of a month's pay for each completed year of his service if he had completed not less than five years of continuous service at the time of termination."

(b) in '1' in (b) the word 'quasi-permanent' occurring between the words 'continuous' and 'service' shall be omitted;

(c) for sub-rule (6) the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(6) For the purpose of this rule "continuous service" means the total service including spells of quasi-permanent and temporary service".

[No. 12011/2/79-Estt.(c)]
B. S. NIM, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 16 जून 1981

सा. का. नि. 614.—भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग) नियम 1954 के नियम 4 के उप नियम (2) के प्रथम परन्तुक और उप नियम (1) के भाव पठिन अविल भारतीय सेवा अधिनियम 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केवल सरकार हरियाणा सरकार के परामर्श में भारतीय प्रणाली सेवा (संवर्ग संलग्न का नियन्त्र) अधिनियम 1955 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है अधिकृत :—

1. (1) इन विनियमों का नाम भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग संलग्न का नियन्त्र) अविल गंगोधर विनियम, 1981 है।

(2) ये विनियम मरकारी गजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख में लागू होंगे।

2. भारतीय प्रशासन सेवा (मंचन संघर्ष का नियम) विधियम 1955 की अनुसूची में “हरियाणा” के अधीन तमसारान् प्रविधि, अर्थात् :—“संयुक्त ग्रामकारी सेवा कराधान ग्राम्यक-1” के स्थान पर निम्नलिखित प्रविधि प्रतिस्थापित की जाएँ :—

“ग्रामर ग्रामकारी सेवा कराधान ग्राम्यक-1”

[मंद्या 11031/13/80-ग्रा० भा० म० (II)-ए]

New Delhi, the 19th June 1981

G.S.R. 614.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with sub-rule (1), and the first proviso to sub-rule (2) of rule 4 of the Indian Administrative Service (Cadre) Rules, 1954, the Central Government, in consultation with the Government of Haryana hereby makes the following regulations further to amend the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955, namely :—

1. (1) Those regulations may be called the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Tenth Amendment Regulations, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Schedule to the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955 under the heading ‘Haryana’ for the existing entries, namely :—

“Joint Excise & Taxation Commissioner-1”

The following shall be substituted, namely :—

“Additional Excise and Taxation Commissioner-1”

[No. 11031/13/80-AIS(II)-A]

सा० का० नि० 615.—भारतीय प्रशासन सेवा (बेतन) नियम 1954 के विधम II के साथ पठित प्रविधि भारतीय सेवा अधिनियम 1951 (1951 का 61) की आरा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त विधियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार हरियाणा सरकार के परामर्श से भारतीय प्रशासन सेवा (बेतन) नियम, 1954 में ग्रामर ग्रामे मंशोधन करने के लिए ग्राम्यकारी निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय प्रशासन सेवा (बेतन) ग्रामर मंशोधन नियम, 1981 है।

(2) ये विधियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की भारीख से लागू होंगे।

2 भारतीय प्रशासन सेवा (बेतन) नियम 1954 की अनुसूची-III-ख में “हरियाणा” के भाग न-प्रा० १०४६ि ‘१०४६ि ग्रामकारी सेवा कराधान ग्राम्यक-1’ के स्थान पर निम्नलिखित प्रविधि प्रतिस्थापित की जाएँ :—

“ग्रामर ग्रामकारी सेवा कराधान ग्राम्यक-1”

[मंद्या 11031/13/80-ग्रा० भा० म० (II)-ए]

जी० श्री० धोपाल, ईस्ट अफिकारी

G.S.R. 615.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951) read with rule 11 of the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, the Central Government in consultation with the Government of Haryana hereby makes the following rules further to amend the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Administrative Service (Pay) Eighth Amendment Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954 :—

(a) In ‘Schedule III-B-Posts carrying pay in the senior scale of the Indian Administrative Service under the State Governments (including posts carrying special pay in addition to pay in the time scale), in the Table, against ‘Haryana’ occurring in the first column and the corresponding entries in the second column, for the existing entries namely :—

“Joint Excise and Taxation Commissioner”

the following shall be substituted, namely :—

“Additional Excise & Taxation Commissioner”

[No. 11031/13/80-AIS(II)-B]

G. D. GHOSHAL, Desk Officer

विद्युत मंत्रालय

(आधिक कार्य विभाग)

नई विल्सो, 11 जून, 1981

पुस्ति पत्र

सा० का० नि० 616.—भारत के राजपत्र के 14 फरवरी 1981 के भाग II, खण्ड 3 उपखण्ड (1) के पृष्ठ 318 पर छपे भारत सरकार, विद्युत मंत्रालय (आधिक कार्य विभाग) के 5 जनवरी 1981 के सा० का० नि० 158 के कालम 12 में

“1. प्रध्याय/सदस्य, संघ लोक सेवा

प्रायोग-सदस्य”

के स्थान पर

“1. प्रध्याय/सदस्य, संघ लोक सेवा

प्रायोग—प्रध्याय”,

पढ़ें।

[ए० 12018/1/77-ग्रा० II]

जी० श्री० भल्ला, ग्रामर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 11th June, 1981

CORRIGENDUM

G.S.R. 616.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No G.S.R. 158 dated the 5th January, 1981, published at pages 313 to 326 of the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 14th February, 1981, at page 318, in column 12,

for

“1. Chairman/Member, Union Public Service Commission—Member”

read

“1. Chairman/Member, Union Public Service Commission—Chairman”.

[A-12018/1/77-Admn. II]

G. B. BHALLA, Under Secy.

कर्जा मंत्रालय

(केन्द्रीय विद्युत बोर्ड)

नई विल्सो, 5 जून, 1981

सा० का० नि० 617.—श्री ईश कुमार, निवेशक, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण भारतीय विद्युत प्रविधियम 1910 (1910 का 9) के खण्ड 36के के उपखण्ड (4) के मध्येन केन्द्रीय विद्युत बोर्ड द्वारा उप-नियम

2 (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का पालन करते हुए श्री एम० डस्ट्य० तिवारी के स्थान पर आगामी भावेश होने तक, एस्टेट्वार बोर्ड के सचिव के रूप में नियुक्त किये जाते हैं।

[सं० सं० एम०-305/35/81]
एम० एन० राध, अध्यक्ष

MINISTRY OF ENERGY

(Central Electricity Board)

New Delhi, the 5th June, 1981

G.S.R. 617.—In exercise of the powers conferred by bye-law 2(1) made by the Central Electricity Board under sub-section (4) of Section 36A of the Indian Electricity Act, 1910 (9 of 1910), Shri Ish Kumar, Director, Central Electricity Authority, is hereby appointed as Secretary of the Board vice Sh. S. W. Tewari till further orders.

[No. CM-305/35/81]
S. N. ROY, Chairman,
Central Electricity Board.

विद्युत और प्रौद्योगिकी विभाग

नई दिल्ली, 23 जून, 1981

सा० का० नि० 618.—केन्द्रीय सरकार, श्री चिन्ना तिलक आयुविशान और प्रौद्योगिकी संस्थान, लिंबेंद्रम, अधिनियम, 1980 (1980 का अधिनियम संख्याक 52) की धारा 32 की उप धारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(i) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम श्री चिन्ना तिलक आयुविशान और प्रौद्योगिकी संस्थान, लिंबेंद्रम, विनियम, 1981 है।

(ii) ये सुरक्ष व्यवस्था होंगे।

2. परिचायाम:—इन विनियमों में, जब तक कि सदर्भ में अन्यथा व्योगीकृत न हों—

(क) "अधिनियम" से श्री चिन्ना तिलक आयुविशान और प्रौद्योगिकी संस्थान लिंबेंद्रम अधिनियम, 1980 (1980 का अधिनियम संख्याक 52) अभिप्रेत है।

(ख) "अध्यक्ष" से संस्थान के शासी निकाय का अध्यक्ष अभिप्रेत है।

(ग) "निदेशक" से संस्थान का निदेशक अभिप्रेत है।

(घ) "सभापति" से संस्थान का सभापति अधिप्रेत है।

(ङ) "सदस्य" से संस्थान का सदस्य अधिप्रेत है।

(च) "नियम" से अधिनियम भी धारा 31 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा बनाए गए नियम अभिप्रेत है।

(छ) "अनुसूची" से इन विनियमों की अनुसूची अभिप्रेत है।

(ज) "धारा" से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है।

(झ) "स्थायी समिति या तदर्थ समिति" से धारा 10 की उपधारा (5) के अधीन गठित की गई स्थायी और तवर्य समिति अभिप्रेत है।

3. संस्थान के अधिकारियों का समय और स्थान:—संस्थान अपने अधिकारियों की वार्षिक सामान्यता के लिए विवेदित लिंबेंद्रम में उत्तमी बार करेगा जो सभापति अवधारित करें। परन्तु संस्थान का वार्षिक सामान्य अधिकारियों के अधीन अपने अधिकारियों की वार्षिक सामान्यता के लिए विवेदित लिंबेंद्रम के अधीन अवधारित करेगा।

4. संस्थान का अधिकारियों की शक्तिः—सभापति किसी भी समय संस्थान का अधिकारियों की वार्षिक सामान्यता के लिए विवेदित लिंबेंद्रम के अधीन अवधारित करेगा।

के लिए प्रस्तावित अधिकारियों का विवरण विनियमित करते हुए कम से कम सात सदस्यों द्वारा उम्म प्रयोजन के लिए अध्यारोधा उम्म प्रस्तुत की जाती है।

5 संस्थान के अधिकारियों के लिए मूलनाम:—(i) संस्थान के प्रत्येक अधिकारियों की लिखित मूलनाम प्रत्येक ऐसे मदस्य को, जो तत्त्वमय भारत में है, कम से कम बीच द्वारा दिए गए हैं।

(ii) अधिकारियों की मूलनाम किसी मदस्य को या तो व्यक्तिगत रूप में या ऐसे मदस्य को संबंधित डाक में डाले जाने के प्रयाणपत्र के अधीन डाक द्वारा तामीन की जाएगी। यह उपधारणा की जाएगी कि ऐसी मूलनाम उचित रूप से परिदृश्य की गई है।

(iii) ऊपर उपनियम (i) में किसी बात के हांते हुए भी, भावापति लघुत्तर मूलनाम पर अधिकारियों द्वारा मंत्रियों द्वारा वह समझता है, कि किसी अन्यावश्यक मामले पर विकार विमर्श किया जाना है।

6. गणपूर्ति:—(i) संस्थान के किसी अधिकारियों के किसी कारबाह का संबंधवहार तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि कम से कम दस सप्तस्थित नहीं है।

(ii) यदि अधिकारियों करने के लिए नियत समय से अधिक अंते के भीतर गणपूर्ति नहीं होती है तो अधिकारियों के लिए स्वयंपति कर दिया जाएगा और ऐसे स्वयंपति अधिकारियों की मूलनाम, ऐसे प्रत्येक मदस्य को, जो अधिकारियों में उपस्थित नहीं है, उसी दिन डाक द्वारा या लार द्वारा या विशेष सदेश वाहक द्वारा जैसा भी मामले में उपेक्षित हो, दी जाएगी। परन्तु इस प्रकार स्वयंपति अधिकारियों उस तारीख से, जिस तारीख को उसे किया जाना मूल रूप से प्रस्तावित था, जो वह दिन के भीतर किया जाएगा।

(iii) यदि किसी स्वयंपति अधिकारियों में भी अधिकारियों के लिए नियत समय से आधे अंते के भीतर गणपूर्ति नहीं होती है तो अधिकारियों में उपस्थित सदस्यों से ही गणपूर्ति होगी।

7. संस्थान के अधिकारियों का सभापतित्व:—(i) सभापति संस्थान के प्रत्येक अधिकारियों का सभापतित्व करेगा। (ii) यदि किसी अधिकारियों में सभापति उपस्थित नहीं है तो उपस्थित सदस्य अपने में से किसी का, उस अधिकारियों का सभापतित्व करने के लिए चयन करें।

8. कागज पत्रों के परिचालन द्वारा कारबाह का संबंधवहार:—(i) कोई कारबाह जिसका संबंधवहार संस्थान के लिए आवश्यक है, यदि सभापति ऐसा निरेश देता है तो भारत में तत्त्वमय उपस्थित सभी सदस्यों के बीच, उनके सामान्य पत्रों पर रजिस्ट्रीकूट लिफाकों में कागजपत्रों के परिचालन द्वारा किया जा सकता है और इस प्रकार परिचालन द्वारा अनुसारी अधिकारियों को इसके बहुमत से अनुमोदित कोई संकल्प उस प्रकार प्रभावी और आवश्यक होने वालों के बहुमत से अनुमोदित कोई संकल्प उस सदस्यों ने संकल्प पर अपने विकार अधिकारियों को दिया है।

(ii) जब कोई कारबाह इस प्रकार परिचालन द्वारा सदस्यों को नियमित किया जाता है तो सदस्यों से उत्तर प्राप्त करने के लिए कम से कम पन्द्रह दिन की अवधि अनुग्राम की जाएगी, ऐसी अवधि की गणना उस तारीख से की जाएगी जिस तारीख को ऐसे कारबाह की मूलनाम जारी की जाती है। यदि किसी सदस्य से अवधि के भीतर उत्तर प्राप्त नहीं होता है तो यह समझा जाएगा कि उसने संकल्प का समर्थन किया है।

(iii) यदि कोई संकल्प परिचालन द्वारा किया जाता है तो परिचालन के परिणाम सभी सदस्यों को संसूचित किए जाएंगे।

9. मनदाम:—संस्थान के अधिकारियों में प्रस्तुत किए गए गमी मामले उपस्थित और उन पर मतदान करने वाले सदस्यों के बहुमत द्वारा विनियमित किए जाएंगे और मत बराबर होने की वजाए में सभापति या

सभापतित्व करने वाले व्यक्ति का उस मन के जिग मन का बहु मद्दत्य के रूप में हक्कदार है अभिनिधित एक निर्णयिक मन भी होगा।

10. कारबाह का अभिलेख रखना:—(i) सम्मान द्वारा संघवहत मभी कारबाह का अभिलेख रखा जाएगा।

(ii) संस्थान के सभी विनियोग, यथासम्भव, संकल्पों के रूप में अभिनिधित किए जाएंगे और संस्थान की कार्यवाही पुस्तक में ऐसे विनियोगों की प्रविष्टि इस तथ्य का निष्पायक मूल होगी कि संस्थान द्वारा ऐसे विनियोग किए गए थे।

(iii) संस्थान की कार्यवाहियों उसके मद्दत्यों के बीच अधिवेशन की तारीख में भारत गतान्त्र के भीतर परिचालित की जाएंगी और यदि नियन्त्रण के भीतर कोई टीका टिप्पणी प्राप्त होती है तो उसे समाप्ति के अनुमोदन के अधीन रहने हुए ठीक ढंग से समिलित किया जाएगा और अन्तिम कार्यवाहियों के रूप में पुनः जारी किया जाएगा।

11. शासी निकाय का गठन:—संस्थान के शासी निकाय में निम्न-विविध मद्दत्य होंगे, अर्थात्:—

- (i) संस्थान का सभापति, अध्यक्ष।
- (ii) भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग का प्रतिनिधित्व करने वाला संस्थान का मद्दत्य,
- (iii) महानिदेशक, स्वास्थ्य नेत्रवां, भारत सरकार;
- (iv) संस्थान का निवेशक;
- (v) संस्थान के बीच चिकित्सा प्रौद्योगिकी खण्ड का प्रधान,
- (vi) केरल राज्य सरकार के योजना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग का प्रतिनिधित्व करने वाला संस्थान का मद्दत्य,
- (vii) संस्थान के बीच मद्दत्य, जिनका नाम निर्देशन केन्द्रीय सरकार द्वारा किया जाए; और
- (viii) संस्थान का एक आचार्य, जो सभापति द्वारा प्रतिवर्ण नाम निर्दिष्ट किया जाएगा।

12. शासी निकाय की शक्तियों और कृत्य:—(i) शासी निकाय एसी शक्तियों का प्रयोग और ऐसे कृत्यों का निर्णयन करेगा जो इन विनियमों द्वारा अनुसूची 1 में विनियोगित है।

(ii) शासी निकाय आपनी कोई शक्ति अध्यक्ष/निदेशक को, जैसा भी समीक्षीय हो, प्रदन या प्रत्यायोजित कर सकेगा।

13. शासी निकाय के अधिकारों:—शासी निकाय सामान्यतः विवेदनमें ऐसे समय पर जो अध्यक्ष समन्वयमय पर अवधारित करे, अपने अधिवेशन करेगा परस्त अध्यक्ष अधिवेशन बुलाएगा यदि अधिवेशन में विचार विमर्श के लिए प्रस्तावित विषय को विनियोगित करते हुए फल से कम तीन सदस्यों द्वारा उम प्रयोगन के लिए लिखित रूप में अध्ययेश्वा उसे प्रस्तुत की जाए और यह और कि शासी निकाय तीन मास में कम से कम एक बार अपना अधिवेशन करेगा।

14. शासी निकाय के अधिवेशन की सूचना:—(i) शासी निकाय के प्रत्येक अधिवेशन की लिखित सूचना प्रत्येक ऐसे सदस्य को, जो तत्त्वमय भारत में है, कम से कम जौवाह पिन पूर्वी जाएगी।

(ii) अधिवेशन की सूचना किसी सदस्य को, या जो व्यक्तिगत रूप में ग्राहकीय सदस्य को सबोधित डाक में डाले जाने के प्रमाणपत्र के अधीन डाक द्वारा तामील की जाएगी। यह उपचारणा की जाएगी कि ऐसी सूचना उचित रूप से परिवर्त की गई है।

(iii) उपचारणा (i) में किसी वात के होते हुए भी, शासी निकाय का कोई अधिवेशन, जिसमें कोई ऐसा मामला, जिसे अध्यक्ष अस्त्यावण्यक ममझना है, दिया जाता है, नपुंसक सूचना पर भी बुलाया जा सकता है।

15. गणपूति:—(i) शासी निकाय के किसी अधिवेशन में किसी कारबाह का संघवहत तक तक नहीं किया जाएगा जब तक कि कम से कम पांच मद्दत्य उपस्थित नहीं है।

(ii) यदि अधिवेशन करने के लिए नियत समय से प्रार्थे घट्टे के भीतर गणपूति नहीं होती है तो अधिवेशन उसी स्थिति पर दिया जाएगा और ऐसे स्थिति अधिवेशन की सूचना, ऐसे प्रत्येक मद्दत्य को, जो अधिवेशन में उपस्थित नहीं है, उसी विनांक द्वारा, या तार द्वारा या विशेष सदैणवाहक द्वारा, जैसा भी मामले में अपेक्षित हो, या जाएगी। परन्तु इस प्रकार स्थिति अधिवेशन उस तारीख से, जिस तारीख को उसे किया जाना मूल रूप से प्रस्तावित था, जौदह विन के भीतर किया जाएगा।

(iii) यदि किसी स्थिति अधिवेशन में भी अधिवेशन करने के लिए नियत समय से प्रार्थे घट्टे के भीतर गणपूति नहीं होती है तो अधिवेशन में उपस्थित मद्दत्यों से ही हो गणपूति होती है।

16. शासी निकाय के अधिवेशनों का समाप्तिविवर:—(i) अध्यक्ष शासी निकाय के प्रत्येक अधिवेशन का समाप्तिविवर करेगा।

(ii) यदि किसी अधिवेशन में अध्यक्ष उपस्थित नहीं है तो उपस्थित मद्दत्य अपने भें से किसी का, उस अधिवेशन का समाप्तिविवर करने के लिए अपने करेगे।

17. कागजपत्रों के परिचालन द्वारा कारबाह का संघवहत:—(i) कोई कारबाह, जिसका संघवहत शासी निकाय के लिए आवश्यक है, यदि अध्यक्ष ऐसा निवेश देता है तो भारत में तत्त्वमय उपस्थित सभी सदस्यों के बीच, उनको मामान्य पते पर रजिस्ट्रीक्यूल लिफाके में कागज-पत्रों के परिचालन द्वारा किया जा सकता है और इस प्रकार परिचालित और हस्ताक्षर करने वाले सदस्यों के बहुमत में अनुमोदित कोई संकल्प उसी प्रकार प्रभावी और आवद्धक होगा मानों कि वह संकल्प शासी निकाय के अधिवेशन में पाय किया गया था परन्तु यह तब जबकि कम से कम पांच गदस्यों ने संकल्प पर अपने अनुमोदन अभिनिधित किए हैं।

(ii) यदि कोई संकल्प परिचालित किया जाता है तो परिचालन के परिणाम शासी निकाय के समक्ष उसके पश्चात अधिवेशन में रखे जाएंगे।

18. मतदान:—शासी निकाय के अधिवेशन में प्रस्तुत किए गए सभी भागों उपस्थित और उन पर मतदान करने वाले सदस्यों के बहुमत द्वारा विनिश्चित किए जाएंगे और मत बदल देने की दशा में, अध्यक्ष या समाप्तिविवर करने वाले व्यक्ति का, उस मत के जिस मत का वह सदस्य के रूप में हक्कदार है, अतिरिक्त एक निर्णयिक मत भी होगा।

19. कारबाह का अभिलेख रखना:—(i) शासी निकाय द्वारा संघवहत सभी कारबाह का अभिलेख रखा जाएगा।

(ii) शासी निकाय के सभी विनियोग, यथासम्भव, संकल्पों के रूप में अभिनिधित किए जाएंगे और शासी निकाय की कार्यवाही पुस्तक में ऐसे विनियोगों की प्रविष्टि उम तथ्य का निष्पायक सबूत होगी कि शासी निकाय द्वारा ऐसे विनियोग किए गए थे।

(iii) प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाहियों, अधिवेशन होने के पश्चात वार भीमर शासी निकाय के सदस्यों को परिचालित की जाएंगी और अगले अधिवेशन में अध्यक्षता करने वाले व्यक्ति द्वारा, उस अधिवेशन में गम्भीर रूप से पुण्य करने के पश्चात हस्ताक्षर की जाएंगी।

20. शासी निकाय के मवस्यों की पदावधि और रिक्तियों का भार जाना:—(i) अध्यक्ष की पदावधि समाप्ति के रूप में उसकी पदावधि तक महसूससारी होगी।

(ii) शासी निकाय के सदस्य की पदावधि उम समय तक रहेगी जब तक कि वह संस्थान का सदस्य बना रहता है।

(iii) केन्द्रीय सरकार द्वारा विनियम 11 के उपविनियम (vii) के अधीन नाम निर्दिष्ट किसी सदस्य की पदावधि, जैसे ही वह संस्थान का सदस्य नहीं रह जाता है या केन्द्रीय सरकार द्वारा उसे प्रतिस्थापित कर दिया जाता है, इनमें से जो भी पूर्ववर्ती हो, समाप्त हो जाएगी।

(iv) प्रधान द्वारा विनियम 11 के उपविनियम (viii) के अधीन नाम निर्दिष्ट ग्राम्य की पदावधि, जैसे ही वह संस्थान का ग्राम्य नहीं रह जाता है या प्रधान द्वारा उसे प्रतिस्थापित कर दिया जाता है, इनमें से जो भी पूर्ववर्ती हो, समाप्त हो जाएगी।

21. स्थायी और तदर्थ समितियाँ:—(i) स्थायी और तदर्थ समितियाँ वही होंगी जो इन विनियमों की अनुसूची में विनिर्दिष्ट हैं।

(ii) कार्यकाल

स्थायी समिति का कार्यकाल उसके गठन की तारीख से पांच वर्ष होगा और तदर्थ समिति जैसे ही वह विनिर्दिष्ट हृत्य, जिसके लिए उसके समिति नियुक्त की गई थी, पूरा हो जाता है समाप्त हो जाएगी परन्तु सभापति नाम निर्वाचन द्वारा किसी भी समय किसी स्थायी समिति या तदर्थ समिति में होने वाली किसी रिक्ति को भर सकता है।

22. संस्थान, शासी निकाय, स्थायी और तदर्थ समितियों के प्रधान और सदस्यों को भवेय यात्रा भार्ता और ईनिक भेजें:—संस्थान का सभापति और उसके सदस्य, शासी निकाय का अध्यक्ष और उसके सदस्य और विभिन्न स्थायी और तदर्थ समितियों के सदस्यों को, जो मंस्थान के कर्मचारी नहीं हैं, यात्रा भार्ता, दैनिक भार्ता और ग्राम्य प्रभार उस पर मंदन किए जाएंगे जो प्रधनियम के प्रारम्भ होने से पूर्व श्री चिन्ना निर्वाचन मेडिकल सेंटर सोमाइटी के शासी निकाय के सदस्यों को लागू होंगे जब तक कि संस्थान द्वारा उन्हें परिवर्तित नहीं कर दिया जाता है।

23. प्रधान के लिए सुविधा:—प्रधान को उसके कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए सचिवालीय सहायता, जो भी ग्राम्यक हो और सुविधाएं जैसे कि आमुलियिक, टेलीफोन, डाकन्महसूल और लेखन सामग्री संस्थान के खर्च पर दी जाएगी।

24. निवेशक की शक्तियाँ और कर्तव्य:—(i) निवेशक संस्थान का नुस्ख गैरिषिक और कार्यपालक अधिकारी होगा और ऐसी शक्तियों का प्रयोग तथा ऐसे हृत्यों का निर्वहन करेगा जो अनुसूची 3 में विनिर्दिष्ट हैं।

(ii) निवेशक संस्थान के मम्पूर्ण प्रणाली का भार साधक होगा और संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों को कर्तव्य आवंटित करेगा तथा ऐसे पर्यवेक्षण और कार्यपालक नियंत्रण का प्रयोग जो ग्राम्यक हैं।

(iii) संस्थान के समुचित प्रणाली के लिए, निवेशक को, अधिनियम नियमों या इन विनियमों के अधीन उसे प्रदत्त शक्ति को संस्थान के किसी अधिकारी को ऐसी परिसीमाओं के श्रीमी रूपे हुए जो शासी निकाय अधिरोपित करे, प्रत्यावर्तित करने की शक्ति होगी।

25. पुरस्कार, छात्रवृत्तिया आदि देने की शक्ति:—संस्थान ऐसे पुरस्कार, स्मृतिनिर्बन्ध, वृत्तिकार्य और छात्रवृत्तिया दें सकेगा जो वह समय-समय पर विनिश्चित करे।

26. अव्ययन पाद्यकर्मों में प्रवेश:—अनुसूचित जालियों, अनुसूचित जनजातियों या अन्य प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए स्थानों का ग्राम्यक केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सुसंगत आदेशों के अनुसार किया जाएगा।

27. परीक्षाओं का संचालन:—संस्थान की प्रवेश और धूलिक परीक्षाओं के संचालन के लिए निवेशक द्वारा उनमी संबंध में पर्यवेक्षक, अन्वेषक और अन्य कर्मचारिवृन्द नियोजित किए जाएंगे जिनमें ग्राम्यक हैं

और उन्हें शासी निकाय द्वारा समय-समय पर नियत की गई दरों पर पारिश्रमिक का संशय किया जाएगा।

28. संस्थान में विभिन्न पदों के लिए धर्ता:—संस्थान के अधीन पदों के लिए आयु, अनुभव, प्रारूपांग, वैतनमात्र और अन्य आवंट, शासी निकाय द्वारा, केन्द्रीय सरकार की संस्थानों में समलूप या तुल्य पदों के लिए विद्यमान अर्हता और अनुभव को दृष्टि में रखते हुए विहित की जाएगी।

29. संस्थान द्वारा या उसके विशद कार्यवाहीयाँ:—संस्थान का निवेशक, संस्थान के नियमित और उसकी और से बाद या शावेदान फाइल करने या अन्य नियन्त्रित या दाइग्निक कार्यवाहीया प्रारम्भ करने उसे अप्रभार करने और ऐसे प्रयोजनों के कावपत्र, अर्जी या अन्य दस्तावेज जो भी आवश्यक हो, हस्ताक्षर करने नियावित करने या अनुप्रापाणित करने के लिए सभी होगा।

30. वर्तमान सेवा शर्त का प्रवृत्त बना रखना:—(i) अधिनियम के प्रारम्भ के ठीक पूर्व, श्री चिन्ना निर्वाचन मेडिकल सेंटर सोमाइटी फार एडवान्स स्टडीज इन स्पेशलिटीज, विवेद्यम के अधिकारियों और कर्मचारियों को यथा लागू, सेवा प्रवधि, पारिश्रमिक, नेवा के निवन्धन और शर्त, जिनके अन्तर्गत छुट्टी, पेशन, उपदान, भवित्व निधि और अन्य आवंट भी हैं, तब तक प्रकृत वर्षी रहेंगी जब तक कि अधिनियम के भन्नार संशोधित, परिवर्तित या नियमित नहीं कर दी जाती है।

(ii) अधिनियम के प्रारम्भ के पूर्व, श्री चिन्ना निर्वाचन मेडिकल सेंटर सोमाइटी फार एडवान्स स्टडीज इन स्पेशलिटीज, विवेद्यम के निवेशक द्वारा जारी किए गए स्थायी आदेश, प्रशासनिक अनुवेश या नियेण, जहाँ तक वे अधिनियम से अन्तर्गत नहीं हैं या जब नक वे अधिनियम के अनुसार नियरसित, संशोधित या परिवर्तित नहीं कर दी जाते हैं, प्रवृत्त बने रहेंगे।

अनुसूची 1

(कृपया विनियम सं० 12 देखिए)

सातो निकाय

1. शासी निकाय संस्थान के कारबार और कार्यकलाप करेगा और उनका प्रबन्ध करेगा।

2. शासी निकाय को सभी ऐसी शक्तियाँ होंगी और वह सभी ऐसे हृत्य करेगा जो संस्थान के उद्देश्यों की नियुक्ति प्राप्त और उन्हें अप्रभार करने के लिए आवश्यक होंगी।

3. पूर्वगामी उपर्योगों की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले जिना, शासी निकाय को मिन्नलिक्किन शक्तियाँ होंगी, प्रधार्त—

(i) संस्थान के भी कर्मचारियों को नियुक्त करना और उनकी शक्तियों तथा कर्तव्य परिवर्तित करना;

(ii) सभी प्रवर्गों के पदों को वर्गीकृत करना और सभी पदों के लिए अहंताएं अधिकृति करना;

(iii) संस्थान के कर्मचारियों की सेवा के निवन्धन और शर्त, जिनके अन्तर्गत भर्ती और नियुक्ति की पद्धतियाँ भी हैं, अधिकृति करना;

(iv) कर्मचारियों की सेवा—ज्येष्ठता के मिन्नलिक्किन अधिकृति करना।

(v) किसी मध्यकृत परियोजना या अन्य प्रयोजनों के लिए किसी अन्य सम्भा या विश्वविद्यालय में किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए कार्य करने के लिए संस्थान के अध्यापकों और अन्य गैरिषिक कर्मचारिवृन्द की नियुक्ति का अनुमोदन करना;

(vi) सभी कर्मचारियों की उपलब्धियां, सेवा शर्तें जिनके अन्तर्गत वेशन, बीमा और भवित्व नियम के लिए उपबन्ध भी हैं औ विद्वा नियन्त्रण आर्थिकीय और प्रौद्योगिकी संस्थान, नियम 1981 के नियम 7 के अधीन रहते हुए, सेवा-समाजि और प्रत्याशामिक कार्यवाहियों की रीति विनियन्त्रित करना ;

(vii) भारत के विभिन्न अधिकारियों को शक्तिया प्रस्तावोंपर कानून ;

(viii) संस्थान में व्यक्तियों का इंवेस्टीगेशन और उनके नामांकन ;

(ix) व्यक्तियों गी परीक्षा, मूल्यांकन या किसी अन्य परीक्षण-पद्धति के आधार पर संस्थान द्वारा डिस्ट्रीब्यूशन या प्रमाणपत्र देने के लिए, और उपाधिया या अन्य विद्या संबंधी विशिष्टियों प्रदान करने के लिए तथा अच्छा और पर्याप्त कारण हाने पर ऐसी कोई इन्स्प्रेक्शन, प्रमाण पत्र उपाधि या अन्य विद्या संबंधी विशिष्टियों वापस लेने के लिए प्रक्रिया और शर्तें अधिकृत करना ;

(x) मंस्थान द्वारा सम्भालिक उपाधियां या सम्गानिक अधिसवस्थना या अन्य विशिष्टिया प्रदान करने की सिफारिश करना ;

(xi) संस्थान का अनुमोदन करना और अध्येतावृत्ति, छाव्यवृत्ति, अध्ययन वृत्ति, पदक और पुरस्कार देना ;

(xii) विश्वविद्यालयों या संस्थाओं से ऐसी रीति में और ऐसे प्रयोजनों के लिए सहकार करना या महायोग करना या महाकृष्ण होना, जो संस्थान अवधारित करे परन्तु किसी विदेशी या अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ महायोग की बाबत केन्द्रीय मरकार का पूर्ण अनुमोदन आवश्यक होगा ;

(xiii) विश्व स्थायी समिति या अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (5) के अधीन गठित किसी अन्य समिति की मिकारिशों पर विचार करना और उन्हें स्वीकार करना या उनमें समुचित परिवर्तन करना ,

(xiv) तत्वर्थ समिनियों की, जब और जैसे ही आवश्यक हो, नियुक्ति करना ;

(xv) निवेशक को समय समय पर ऐसे कृत्य और कर्तव्य सौंपना और उनमें ऐसी शक्तियां प्रस्तावोंपर करना जो अवश्यक ममते;

(xvi) सभी ऐसे कार्यों का अनुपालन करना और सभी ऐसी वाने करना जो संस्थान की सम्पर्कित के उचित प्रबंध के लिये आवश्यक हों,

(xvii) भवनों की भवनिमाण और अनुरक्षण, जिसके अन्तर्गत उसमें परिवर्तन और उसकी अभिवृद्धि भी है, अनुमोदित करना;

(xviii) संस्थान द्वारा धान-प्रायान या वसीयत स्वीकार करने के लिये निवेशन और शर्तें अधिकृत करना;

(xix) संस्थान द्वारा स्वामित्र प्राप्त करने के लिये नियन्त्रण और शर्तें अधिकृत करना ;

(xx) संस्थान के निमित और उसकी और में करार करना;

(xxi) संस्थान की और में बाद चलाना और सभी विधिक कार्यवाहियों में प्रतिक्षा करना ;

(xxii) तत्वर्थ आधार पर अक्तियों को ऐसे नियन्त्रणों और शर्तों पर नियुक्त करना जो अहं संस्थान द्वारा प्राप्त किये गये अध्ययनों, अन्वेषणों अनुसंधान, शिक्षण और अन्य शिक्षा संबंधी कार्यक्रमों के सचालन के लिये ठीक समझे ।

(xxiii) अधिनियम के प्रारम्भ से ठीक पूर्ण यथा विद्यमान श्री विद्वा तिथनम डेविलपमेंट सेंटर सोसाइटी रेवा नियम के अनुसार, जब तक कि उन्हें संस्थान द्वारा परिवर्तित नहीं कर दिया जाना है, संस्थान के कर्मचारियों पर नियन्त्रण और अनुशासन का प्रयोग करना;

(xxiv) यदि वह ठीक भविष्यत है तो भारत में और विदेश में हानि वाले अविवेकनों में संस्थान का प्राप्तिनिधि उन्हें लिए प्रतिनिधि नियुक्त करना ;

(xxv) अध्ययन, कृतिया, पुस्तकों नियत कालिक पत्रिका, रिपोर्टें और अन्य विद्युत्य प्रकाशन करना और या उनके प्रकाशन का वित्त पोषण करना और उनका विक्रय करना या उन्हें विक्रय के लिये व्यवस्था करना ;

(xxvi) निवेश-आहूय अध्ययनों और धिमारी सेवाओं को संगठित करना और चलाना ;

(xxvii) अधिनियम, नियमों और विनियमों और ब्रेट उपर्योगों के अधीन रहते हुए, शिक्षा संबंधी और अन्य पदों का सूचन करना ;

(xxviii) अस्थागत प्राचारायत्थ और सम्भालिक प्राचारायत्थ संस्थित करना और उन पर नियुक्तिया करना ;

(xxix) कोई सम्पत्ति, जंगल और स्थावर दोनों, जो संस्थान की है या उसमें निहित है, किसी रीति में, जो अधिनियम की धारा 12 में विनियिष्ट उद्देश्यों के उन्नयन के लिये आवश्यक समझी जाती है, अभियान करना, धारण करना, अध्ययन करना और उसकी आवाहन आवहार करना ;

(xxx) संस्थान के प्रयोजन के लिये केन्द्रीय सरकार के पूर्ण अनुमोदन के प्रश्नोन रहते हुए, संस्थान की सम्पत्ति की प्रतिष्ठृति पर उधार लेना ;

(xxxi) ऐसी फोस और अन्य प्रभार वियत करना, मांग करना और प्राप्त करना, जो सम्पन्न-समय पर विनियिष्ट किये जायें ;

(xxxii) कर्मचारियों के स्वास्थ्य और साक्षात्कार कल्याण के उन्नयन के लिये व्यवस्था करना ;

(xxxiii) संस्थान ने विद्यार्थियों के बीच अनुशासन विनियमित करना और उसे प्रश्नत करना और इस नियमित ऐसे अनुशासनिक उपाय करना जो आवश्यक समझे जायें ;

(xxxiv) सभी ऐसे अन्य कार्य और बातें करना जो अधिनियम की धारा 12 में विनियिष्ट उसके सभी या किसी उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये आवश्यक, प्रानुष्ठिक या भावायक हों ।

अनुसूची 2

स्थायी समिति-गठन और हार्य

(क्रपया नियम 21 देखिए)

क. स्थायी वित्त समिति

संरचना :

1. निवेशक (आधार) ;
2. केन्द्रीय सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग का वित्तीय सचालकार या उसका प्रतिनिधि (सदस्य) ;
3. केन्द्रीय सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग का प्रतिनिधि पर करने वाला संस्थान का सदस्य ;
4. संस्थान का एक सदस्य जो सासी निकाय द्वारा नाम नियिष्ट किया जायेगा,

5. संस्थान का वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी (संयोजक पदेन) स्थायी वित्त समिति निम्नलिखित मामलों पर विचार करने और उन पर शासी निकाय को सिफारिश करने के लिये प्रयोक्ता तीन मास में कम से कम एक बार बैठक करेगी ;

कृत्य :

- (1) संस्थान के बजट प्राप्तकर्त्ता तैयार करना, और अय के लेखाओं का पुनरीक्षण करना और शासी निकाय को सिफारिशें करना ,
- (2) अड़े निर्माण कार्य पर नये व्यय के लिये प्रमाण पर और व्यय के लिये विचार करना और शासी निकाय को सिफारिशें करना ,
- (3) पुनर्विनियोग विवरणों और संवरीक्षा टिप्पणों की समीक्षा करना और उन पर शासी निकाय को सिफारिशें करना ,
- (4) संस्थान के वित्त का पुनरीक्षण करना और जहां भी आवश्यक हो, समर्तता लेखा परीक्षा किये जाने का सुझाव देना ;
- (5) किसी अन्य वित्तीय प्रणय पर, जिसका संस्थान के कार्यों पर प्रभाव पड़ता है, शासी निकाय को समाह देना और उने सिफारिशें करना ;
- (6) भवन, मनिमाण और क्षय की वावत निविदायें आमंत्रित करने और उन्हें स्वीकार करने से सम्बद्धित सभी मामले ।

का. स्थायी शैक्षणिक समिति

मंत्रज्ञान : शैक्षणिक समिति में निम्नलिखित होंगे :—

1. निवेशक (प्रबृह्यक पदेन)

2. प्रधान, जैव विकित्ता प्रौद्योगिकी खण्ड ;

3. संस्थान के आचार्यों और वैज्ञानिकों से तीन व्यक्ति जो शासी निकाय द्वारा सामनिविष्ट किये जायेंगे ; और ऐसे अन्य व्यक्ति, जो संस्थान के कर्मचारी नहीं हैं, जिन्हें शासी निकाय द्वारा समय-समय पर उनके विशेषज्ञान के लिये नाम निश्चित किया जाये परन्तु समिति की कुल संवर्धना इस से अधिक नहीं होगी ।

कृत्य : निम्नलिखित मामलों पर विचार करने और उनपर शासी निकाय को सिफारिश करने के लिये शैक्षणिक समिति तीन मास में कम से कम एक बार बैठक करेगी :

- (1) संस्थान की शैक्षणिक नीतियों पर और गिरण, प्रद्यापन, प्रशिक्षण, अनुसंधान के मूल्यांकन की पद्धतियों और शैक्षणिक मानकों में सुधार का साक्षात्तरण पर्यवेक्षण ;
- (2) स्वप्रेरणा पर या शासी निकाय द्वारा निर्देश किये जाने पर साधारण शैक्षणिक छित के मामले ;
- (3) संस्थान में शिक्षण, अनुसंधान और प्रशिक्षण की योजना और उनके लिये कार्यक्रम बनाना ;
- (4) उन विषयों में, जो संस्थान में व्यवहृत हैं, प्रशनपत्र बनाने वालों और परीक्षक पैनल के रूप में पूर्णरूप से द्वारा व्यक्तियों की नियुक्ति ;
- (5) उन विषयों में, जो संस्थान में व्यवहृत हैं, अध्ययन, प्रशिक्षण और परीक्षा के प्रद्यक्षों का अनुमोदन ;
- (6) उन विषयों में, जो संस्थान में व्यवहृत हैं, स्नातकोत्तर परीक्षाओं के संचालन का पर्यवेक्षण ;
- (7) स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों के चयन के लिये मानक और प्रक्रिया बनाना ,
- (8) परीक्षा के परिणाम पर विचार करना और अध्ययियों को उपाय, डिप्लोमा और अन्य शिक्षा संबंधी विशिष्टियां प्रदान

करने के लिये शासी मिकाइ को अध्ययियों को सिफारिश करना ।

ग. स्थायी भवन समिति

मंत्रज्ञान : स्थायी भवन समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे —

1. निवेशक (शैक्षणिक पदेन) ;

2. प्रधान, जैव-विकित्ता प्रौद्योगिकी खण्ड ;

3. संस्थान का वित्तीय, सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी (संयोजक पदेन) ;

4. संस्थान का एक सदस्य जो शासी निकाय द्वारा नामनिविष्ट किया जायेगा ;

5. एक मिश्शि हैजीनियर जो शासी निकाय द्वारा नामनिविष्ट किया जायेगा ; और

6. एक सदस्य, जो निवेशक द्वारा, जैसे और अब प्राप्तयक्ष हैं, भूमियोजित किया जायेगा ।

कृत्य : शायी भवन भविति, निम्नलिखित मामलों पर विचार करने और उन पर शासी निकाय को सिफारिश करने के लिये, हर छ भास में कम ऐसे कम एक बार बैठक करेगी :

- (क) नये भवनों का समिन्माण ;

- (ख) भूमि का अर्जन और व्यवस्था ;

- (ग) संस्थान के भवनों का परिवर्तन या परिवर्तन और उनके अनु-रक्षण या उपयोग से सम्बन्धित कोई अन्य प्रणयन ।

घ. ज्येष्ठ कर्मचारिवृन्द के चयन के लिए स्थायी समिति

मंत्रज्ञान :

1. संस्थान के सदस्य में से सभापति द्वारा नामनिविष्ट एक वैज्ञानिक (अध्यक्ष) ;

2. निवेशक (पदेन)

3. संस्थान के जैव विकित्ता प्रौद्योगिकी खण्ड का प्रधान (पदेन) ; और

4. केन्द्रीय सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव का एक नाम निर्वेशिती ।

कृत्य : ज्येष्ठ कर्मचारिवृन्द के चयन के लिये स्थायी समिति, साक्षात्कार द्वारा या अध्ययियों का चयन करने के प्रयोजन के लिये और ऐसे सभी पदों पर, जिनके वेतनमान का अधिकतम 750 रु प्रतिमास से अधिक है, नियुक्ति के लिये सिफारिश करने के लिये जिन्हीं द्वारा भी आवश्यक हो, बैठक करेगी, परन्तु ऐसी प्रयोक्ता बैठक में, संस्थान से आहर का एक विशेषज्ञ सभापति द्वारा नामनिविष्ट किया जायेगा और संस्थान का एक ज्येष्ठ आचार्य नियुक्ति किया जायेगा ।

ज. कर्तिष्ठ कर्मचारिवृन्द के चयन के लिए स्थायी समिति की संरचना

मंत्रज्ञान :

1. विकित्ता अधीक्षक ;

2. संस्थान के जैव विकित्ता प्रौद्योगिकी खण्ड का प्रधान

3. संस्थान के शैक्षणिक खण्ड का एक प्रतिनिधि जो निवेशक द्वारा नामनिविष्ट किया जायेगा ;

4. तीन व्यक्ति जो प्रधान द्वारा नामनिविष्ट किये जायेंगे

कृत्य : कर्तिष्ठ कर्मचारिवृन्द के चयन के लिये स्थायी समिति, साक्षात्कार द्वारा या अध्ययियों का चयन करने के लिये और ऐसे सभी पदों पर जिनके वेतनमान का अधिकतम 750 रु प्रतिमास में कम है, नियुक्ति के लिये सिफारिश करने के लिये जिन्हीं द्वारा भी

बार आवश्यक हो, वैष्णव कर्त्तवी पूर्णा संस्थान के जैव-चिकित्सा प्रौद्योगिकी में अनिष्ट कम्बोजारिस्कूल के अध्ययन की विषय, जैव, चिकित्सा प्रौद्योगिकी यांगू वा प्रधान भूमिका वा प्रधानके होंगी।

અ. પ્રીણોગિકી વિજ્ઞાન સમિલિ

मैरुचना :

पौद्योगिकी विद्या मरमिति में निम्नलिखित यस्त्व छाँगे ।

(1) निर्देशक (अध्यक्ष, पर्दन) ;

(2) संस्थान के जैव-विकासमा प्रौद्योगिकी व्याप्त का प्रधान ,

(3) संस्थान के जैव विकासमा प्रौद्योगिकी व्याप्त के दो वैज्ञानिक जो सभापति द्वारा नामिनिट किये जायेंगे ;

(4) दो अल्प वैज्ञानिक/प्रौद्योगिकीविद् जो सभापति द्वारा संस्थान के मवरणों में नामिनिट किये जायेंगे ; प्रौद्योगिकीविद्

(5) भीन वैज्ञानिक जो उन विकास ज्ञान के कारण, जारी निकाय द्वारा नाम निविट किया जाएगे ।

कृत्य, स्थायी प्रौद्योगिकी विकास समिति, निम्नस्तिवित मामलों पर विचार करने और उन पर जारी निकाय को विकारित करने के लिये प्रयोग करेंगे ।

(क) संस्थान की प्रौद्योगिकी नीतियां और जैव-विकासमा प्रौद्योगिकी अनुसंधान और विकास से संबंधित योजनायें ;

(ख) प्रौद्योगिकी प्रणिधान की पद्धतियों का प्रारम्भ ;

(ग) जैव विकासमा प्रौद्योगिकी से संबंधित अनुसंधान और विकास कार्यक्रमों का मूल्यांकन ;

(घ) संस्थान के जैव विकासमा व्याप्त में वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी अनुसंधान के मानकों में सधारन ।

अनुसूची (3)

निवेशक की शक्तियाँ और उसके कार्य

(कृष्ण विनिवास मं० २१ वेदिपु)

1. निवेशक संस्थान का ईदृशिक प्रधान और मूल्य कार्यपालक अधिकारी होगा और उसी हैमियत से संख्यान के सभी ईदृशिक किसाकालांत्रों और सभी पशागणिक भागीदारों के लिये उत्तरदायी होगा ;
2. निवेशक, सभी और शार्मा निकाय के विभिन्नतयों के कार्यान्वयन के लिये उत्तरदायी होगा ;
3. निवेशक, वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक लेखा शैयार वरायेगा और उन्हें शार्मा निकाय के सभी अस्तुत करेगा ;
4. निवेशक, सभापालि की अनुपस्थिति में, उपाधिकारी प्रधान करने के लिये जिनी गये संस्थान के वीक्षात्र समाचारहों का नभागनेत्व प्रदानेगा ;
5. निवेशक, गमालि/अन्वेषा के अनुभोग में, गम्यान/शार्मा निकाय के अधिकारीयों के लिये सूचनायें जारी करेंगा और उन्हें संवेदन करेंगा और गये अविवेशनों के लिये शार्यस्त्री शैयार करायेगा ;
6. निवेशक अविवेशन के उपभोक्ता के अधीन रहने हुए और शार्मा निकाय के अनुभोदन से सम्बालन की ओर उन लिंगों भी बैक में अन्ते बोयेगा, वह, जारी निकाय के अनुभोदन में, चैकों पर हमनाक्षर करने की शक्ति, सम्बाल के अन्य अधिकारियों की जांच समर्चित हो, प्रत्यक्षीयोंने कर सकेगा ।

7. निदेशक को, श्री चित्रा तिरस डेविलिंग्स सेन्टर सोसाइटी फार एडवान्स्ड स्टडीज बैगेलट्रीज, लिवेन्ट्रम के सेवा नियमों में यथा-उपर्युक्त अनुशासनिक नियमों के अनुसार जो इस अधिनियम के प्रारम्भ से पूर्व विवृत्यमान थे, संस्थान के कर्मचारियों की बाबत अनुशासनिक मामलों में अनुशासन से संबंधित सभी शक्तियां होंगी और वह उनका तब तक प्रयोग करेगा जब तक कि उन्हें संस्थान द्वारा परिवर्तित नहीं कर दिया जाता है;
8. अनुशासन से संबंधित और संस्थान के विवरायियों के संबंध में अनुशासनिक कार्रवाई की शक्तियां निरेशक में निहित होंगी;
9. (क) उन निर्बन्धनों के, यदि कोई है, जिन्हें शासी निकाय द्वारा प्रधिरोपित किया जाये, अधीन रहते हुए, संस्थान के उन मंजूर पर्वों पर, जिनके बेनमास का न्यूनतम 1700 रु० प्रतिमास से अधिक नहीं है, नियुक्तियां करता;
- (ख) अस्थायी संकर्मी/कर्मचारीरों के लिये, जिनका अधिक से अधिक प्रारंभिक 1700 रुपये प्रतिमास है, अधिक से अधिक एक वर्ष की अवधि के लिये संविदा पर नियुक्तियां करना और बजट उपबन्धों के अधीन रहते हुए उनके लिये पर्वों का सुनाम करना। ऐसी नियुक्तियां, शासी निकाय को उसके पश्चात्काली अधिकारियों में रिसेट की जायेंगी और वे शासी निकाय के अधीन रहते हुए ही बर्ती रहेंगी;
10. उन निर्बन्धनों के, यदि कोई है, जो शासी निकाय अधिरोपित करे, अधीन रहते हुए, उन पर्वों पर जिनके बेनमास का न्यूनतम 1700 रु० प्रतिमास से अधिक नहीं है, प्रोलंग की बाबत सेवा नियमों के अधीन रहते हुए प्रोलंगिया करता;
11. इस अनुसूची में किसी बात के होने हुए भी, निदेशक को, श्री विद्या निष्ठल मैडिकल सेन्टर सोसाइटी फार एडवान्स्ड स्टडीज इन स्पेशलिटीज, लिवेन्ट्रम की साधारण तेवों-तारीं या कार्मिक आचरण नियमों के अधीन उसमें निक्षिप्त होनी शक्तियां होंगी जब तक कि वे मंग्यमें द्वारा परिवर्तित नहीं कर दी जानी हैं;
12. बजट उपबन्धों के अधीन रहते हुए, उपलक्ष्य रसायन, औषधि और रगड़, सभी मामलों में, जहां संविदा की कृत रकम 2,00,000 रु० से अधिक नहीं है, संस्थान की ओर से निविदा भागता और किसी पथकार से संविदा करता;
13. अध्य की विभिन्न मर्दों के अधीन बजट उपबन्ध का संविदारण मंजूर करता;
14. किसी देसे निर्बन्धन के, जो शासी निकाय द्वारा अधिरोपित किया जाये, अधीन रहते हुए एक उप-शीर्ष से दूसरे को नियियों का पुरावैतियोग मंजूर करना;
15. ऐसे कर्मचारियों से, जिन्हें प्रतिषंत विलम्बाती है, प्रतिभूति पक्ष स्वीकार करना;
16. संस्थान की ओर से, जहां भी आवश्यक हो, कारूर निष्पादित करता;
17. मंग्यमें की ओर से ठेकेशरों के माप मंविदा करता;
18. मंजूर किये गये छोटे और बड़े संकर्मों की बाबत संविदा करता;
19. संस्थान के उपयोग के लिये फिराये पर लिये गये भवनों की बाबत कारूर पर हस्ताक्षर करता;
20. मंग्यमें के अधिकारियों द्वारा, देश के भीतर, की जाने वाली कर्तव्य पर यत्कामे मंजूर करता;
21. एक ही मंग्य पर भीतर वर्ष तक की अवधि के लिये बृक्षों के उपर्याप्तिकार वा नीलामी द्वारा विक्रय मंजूर करता;

22. शासी निकाय द्वारा प्रत्येक शतां के प्रधीन रहने हुए, खबर किराये पर देना।

[सं. 17(2)/80-एस.टी.०१०-१]
वी. एम. केपकर, उत्तमनिवारण

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY

New Delhi, the 23rd June, 1981

G.S.R. 618.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 32 of the Sree Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences and Technology, Trivandrum Act, 1980 (Act 52 of 1980) the Central Government hereby makes the following regulations namely :—

1. Short title and commencement.—(i) These regulations may be called the Sree Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences and Technology, Trivandrum Regulations, 1981.

(ii) They shall come into force at once.

2. Definitions.—In these regulations unless the context otherwise requires :—

(a) "Act" means the Sree Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences and Technology, Trivandrum Act, 1980 (Act 52 of 1980).

(b) "Chairman" means the Chairman of the Governing Body of the Institute.

(c) "Director" means Director of the Institute.

(d) "President" means President of the Institute.

(e) "Member" means member of the Institute.

(f) "Rules" means the rules made by the Central Government under section 31 of the Act.

(g) "Schedule" means Schedule of these regulations.

(h) "Section" means a section of the Act.

(i) "Standing Committee and Ad-hoc Committee" means the standing and ad-hoc committee constituted under sub-section (5) of section 10.

3. Time and Place of Meeting of Institute.—The Institute shall ordinarily hold its meetings in Trivandrum as many times as the President may determine, provided that an annual general meeting of the Institute shall be held every year.

4. Power to Call a Meeting of the Institute.—The President may, at any time, call a meeting of the Institute and shall do so if a requisition for that purpose is presented to him in writing by not less than seven members specifying the subject of the meeting proposed to be called.

5. Notice for Meetings of the Institute.—(i) Not less than fourteen clear days notice in writing of every meeting of the Institute shall be given to each member who is for the time being in India.

(ii) A notice of meeting may be served upon any member either personally or by post under certificate of posting in an envelope addressed to such member. Such notice shall be presumed to have been properly delivered.

(iii) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (i) above, the President may call a meeting at a shorter notice if he considers that there is any urgent matter to be discussed.

6. Quorum.—(i) No business shall be transacted at a meeting of the Institute unless at least ten members are present.

(ii) If within half an hour from the time appointed for holding a meeting the quorum is not present, the meeting shall stand adjourned to another day at the same place and notice of such adjourned meeting shall be given to each member who is not present at the meeting the same day by post or telegram or special messenger as the case may require. Provided that the meeting so adjourned shall be held within fourteen days of the date on which it was originally proposed to be held.

(iii) If at any adjourned meeting also, the quorum is not present within half an hour from the time appointed for holding the meeting, the members present at the meeting shall form the quorum.

7. Presidency over Meeting of the Institute.—(i) The President shall preside over every meeting of the Institute.

(ii) If the President is not present at any meeting, the members present shall choose one from among themselves to preside over that meeting.

8. Transaction of Business by Circulation of Papers.—

(i) Any business which may be necessary for the Institute to transact may, if the President so directs, be dealt with by circulation of papers under registered cover among all the members for the time being in India at their usual address and any resolution so circulated and approved by the majority of the members signing, shall be as effectual and binding as if the resolution had been passed at a meeting of the Institute provided at least ten members have recorded their views on the resolution.

(ii) When any business is so referred to the members by circulation, a period of not less than fifteen clear days shall be allowed for the receipt of replies from the members, such period to be counted from the date on which the notice of such business is issued. If no reply is received from a member within a period of fifteen days he shall be deemed to have supported the resolution.

(iii) If a resolution is circulated, the results of the circulation shall be communicated to all the members.

9. Voting.—All matters submitted to a meeting of the Institute shall be decided by a majority of the members present and voting thereat, and in case of an equality of votes, the President or the person presiding shall have a casting vote, in addition to the vote to which he may be entitled to as a member.

10. Recording of Business.—(i) A record shall be maintained of all business transacted by the Institute.

(ii) All decisions of the Institute shall, as far as possible, be recorded in the form of resolutions and an entry of such decisions in the book of proceedings of the Institute shall be conclusive evidence of the fact that such decisions were taken by the Institute.

(iii) Proceedings of the Institute shall be circulated among its members within four weeks of the meeting and if any comments are received within a stipulated time they shall be incorporated suitably subject to the approval of the President and re-issued as final proceedings.

11. Constitution of Governing Body.—The Governing Body of the Institute shall consist of the following members, namely :—

(i) The President of the Institute, Chairman;

(ii) The member of the Institute representing the Department of Science and Technology, Government of India;

(iii) Director General of Health Services, Government of India;

(iv) Director of the Institute;

(v) Head of the Biomedical Technology Wing of the Institute;

(vi) Member of the Institute representing the Department of Planning, Science and Technology, Government of Kerala;

(vii) Two members of the Institute to be nominated by the Central Government; and

(viii) One Professor of the Institute nominated annually by the President.

12. Powers and functions of the Government Body.—

(1) The Governing Body shall exercise such powers and discharge such functions as are specified in Schedule I of these regulations.

(2) The Governing Body may confer or delegate any of its powers to the Chairman/Director as expedient.

13. Time and Place of Meeting of the Governing Body.—The Governing Body shall ordinarily hold its meetings in Trivandrum at such times as the Chairman may, from time to time determine provided that the Chairman shall convene a meeting if a requisition for that purpose is presented to him in writing by not less than three members specifying the subject-matter proposed to be discussed in the meeting; and provided further that the Governing Body shall meet at least once in three months.

14. Notice for Meeting of Governing Body.—(i) Not less than fourteen clear days notice of every meeting of the Governing Body shall be given to each member who is for the time being in India.

(ii) A notice may be served upon any member either personally or by post under certificate of posting in an envelope addressed to such member, such notice shall be presumed to have been properly delivered.

(iii) Notwithstanding anything contained in sub-section (i), a meeting of the Governing Body at which any matter which is considered urgent by the Chairman has to be taken up, may be called at a shorter notice.

15. Quorum.—(i) No business shall be transacted at a meeting of the Governing Body unless at least five members are present.

(ii) If within half an hour of the time appointed for holding the meeting, quorum is not present, the meeting shall stand adjourned to another day at the same place and notice of such adjourned meeting shall be given to each member who is not present on the same day by post or telegram or special messenger as the case may require. Provided that a meeting so adjourned shall be held within the fourteen days of the date on which it was originally proposed to be held.

(iii) If at any such adjourned meeting also, the quorum is not present within half an hour from the time appointed for holding the meeting, the members present at the meeting shall form the quorum.

16. Presidency over Meetings of Governing Body.—(i) The Chairman shall preside over every meeting of the Governing Body.

(ii) If the Chairman is not present at any particular meeting, the members present shall choose one from among themselves to chair that meeting.

17. Transaction of business by circulation of papers :—(i) Any business which may be necessary for the Governing Body to transact, may, if the Chairman so directs, be dealt with by circulation of the papers sent under registered cover to all the members for the time being in India at their usual address, and any resolution so circulated shall be so effectual and binding as if the resolution has been passed at a meeting of the Governing Body, provided at least five members have accorded their approval to the resolution.

(ii) If a resolution is circulated, the results of circulation shall be placed before the Governing Body at its subsequent meeting.

18. Voting.—All matters submitted to a meeting of the Governing Body shall be decided by a majority of the members present and voting thereat, and in case of an equality of votes, the Chairman or the person presiding shall have a casting vote, in addition to the vote to which he may be entitled to as a member.

19. Recording of business.—(i) A record shall be maintained of all business transacted by the Governing Body.

(ii) All decisions of the Governing Body shall, as far as possible, be recorded in the form of resolutions and an entry of such decisions in the book of proceedings of the Governing Body shall be conclusive evidence of the fact that such decisions were taken by the Governing Body.

(iii) The proceedings of every meeting shall be circulated to the members of the Governing Body within four weeks of the meeting and shall be signed by the person presiding at the next meeting after due confirmation at that meeting.

20. Terms of office of members of the Governing Body and filling of vacancies.—(i) The term of office of the Chairman shall be coterminous with his term of office as President.

(ii) The term of office of a member of the Governing Body shall continue as long as he is a member of the Institute.

(iii) The term of office of a member nominated by the Central Government under sub-regulation (vii) of regulation 11 shall cease as soon as he ceases to be member of the Institute or till he is replaced by the Central Government whichever is earlier.

(iv) The term of office of the Professor nominated by the President under Sub-regulation (viii) of regulation 11 shall cease as soon as he ceases to be a Professor of the Institute or till he is replaced by the President, whichever is earlier.

21. Standing and ad-hoc Committees.—(i) The standing and ad-hoc committees shall be specified in Schedule II of these regulations.

(ii) Terms of office.—The term of office of a standing committee shall be five years from the date of its constitution and an ad-hoc committee shall cease to function as soon as the specific functions for which the said committee is appointed are completed provided that the President may by nomination fill at any time any vacancy that may arise in the composition of a Standing Committee or an ad-hoc committee.

22. Travelling and daily allowance to be paid to the President and members of Institute, Governing Body and Standing and ad-hoc Committees.—The President and Members of the Institute, Chairman and members of Governing Body and Members of various Standing and Ad-hoc Committees, who are not employees of the Institute shall be paid travelling allowance, daily allowance and hospitality charges at rates as applicable to members of the Governing Body of Sree Chithra Tirunal Medical Centre Society before the commencement of the Act until altered by the Institute.

23. Facility for President.—The President may be provided secretarial assistance as necessary and facilities such as a stenographer, telephone, postage and stationery at the expenses of the Institute for effective discharge of his functions.

24. Powers and duties of Director.—(i) The Director shall be the chief academic and executive officer of the Institute and shall exercise such powers and discharge such functions as are specified in Schedule III.

(ii) The Director shall be in charge of the overall administration of the Institute and shall allocate duties to officers and employees of the Institute and exercise such supervision and executive control as are necessary.

(iii) For the proper administration of the Institute the Director shall have powers to delegate any of his powers conferred on him under the Act the rules and these regulations to any officer of the Institute subject to such limitations as may be imposed by the Governing Body.

25. Powers to award prizes scholarships etc.—The Institute may award such prizes, souvenirs, stipends and scholarships as may be decided by it from time to time.

26. Admission to courses of studies—Reservation of seats for candidates belonging to Scheduled Castes, Scheduled Tribes or other categories of persons shall be made in accordance with the relevant orders issued by the Central Government from time to time.

27. Conduct of Examinations.—(i) Such number of supervisors, investigators and other staff as may be necessary for conducting the entrance and professional examinations of the Institute, may be appointed by the Director and remuneration shall be paid at the rates fixed by the Governing Body from time to time.

28. Qualifications for various posts in the Instt.—Age, experience qualifications, scale of pay and other details of posts under the Institute shall be prescribed by the Governing Body keeping in view the qualification and experience as prevalent for similar or comparable posts in Central Government Institutions.

29. Proceedings by or against the Institute.—The Director of the Institute, shall be competent to file suits or applications or commence other proceedings civil or criminal for and on behalf of the Institute and to prosecute the same and for such purposes to sign, execute or attest plaints, petitions, appeals or other documents as may be necessary.

30. Continuance in force of existing conditions of service.—The tenure, remuneration, terms and conditions of service including leave, pension, gratuity, provident fund and other matters as applicable to the officers and employees of Sree Chitra Tirunal Medical Central Society for Advanced Studies in specialities, Trivandrum immediately before the commencement of the Act, shall continue to be in force until amended, altered or repealed in accordance with the Act.

(ii) The Standing orders, administrative instructions or directions as issued by the Director of Sree Chitra Tirunal Medical Centre Society for Advanced Studies in Specialities, Trivandrum before the commencement of the Act, shall, in so far as they are not inconsistent with or until they are repealed, amended or altered in accordance with the Act, continue in force.

SCHEDULE I (Please see the Regulation No. 12)

GOVERNING BODY

I. The business and affairs of the Institute shall be carried on and managed by the Governing Body.

II. The Governing Body shall have all such powers and shall perform all such functions as are necessary for proper achievement of the furtherance of the objects of the Institute.

III. Without prejudice to the generality of the foregoing provisions, the Governing Body shall have the following powers namely :—

- (i) to appoint and define powers and duties of all employees of the Institute;
- (ii) to classify posts in all categories and to lay down the qualifications for all the posts;
- (iii) to lay down the terms and conditions of service of the employees of the Institute including methods of recruitment and appointment;
- (iv) to lay down principles governing seniority of service of employees;
- (v) to approve the appointment of teachers and of other academic staff of the Institute to work in any other institution or University for a specified period for undertaking a joint project, or for other purposes;
- (vi) to decide the emoluments, conditions of service of all employees, including provision for pension, insurance and provident fund, the manner of termination of service and disciplinary proceedings subject to Rule 7 of the Sree Chitra Tirunal Institute for Medical Sciences and Technology, Trivandrum Rules, 1981.
- (vii) to delegate powers to various officers of the Institute;
- (viii) the admission of students to the Institute and their enrolment;
- (ix) to lay down the procedure and conditions for the award by the Institute of diplomas or certificates to, and for conferment of degrees and other academic distinctions on the basis of examinations, evaluation or any other method of testing on persons, and for withdrawal any such diplomas, certificates, degree or other

academic distinctions for good and sufficient cause;

- (x) to recommend conferment of honorary degrees or honorary fellowships or other distinctions by the Institute;
- (xi) approve the institution and award fellowships, scholarships, studentships, medals and prizes;
- (xii) to cooperate or collaborate or associate with universities or institutions in such manner and for such purposes as the Institute may determine provided that in respect of collaboration with foreign or international institutions the prior approval of the Central Government shall be necessary;
- (xiii) to consider and accept or make appropriate changes in the recommendations of the Standing Committee on Finance or of any other committee constituted by the Institute under sub-section (5) of section 10 of the Act;
- (xiv) to appoint ad hoc committees as and when considered necessary;
- (xv) to assign from time to time such functions and duties and delegate such powers as it may deem fit to the Director;
- (xvi) to perform all such acts and do all such things as may be necessary for the proper management of the properties of the Institute;
- (xvii) to approve construction and maintenance of buildings including alteration or improvement thereof;
- (xviii) to lay down the terms and conditions for acceptance by the Institute of gifts, donations or bequests;
- (xix) to lay down terms and conditions for receipt of royalties by the Institute;
- (xx) to enter into agreement for and on behalf of the Institute;
- (xxi) to sue and defend all legal proceedings on behalf of the Institute;
- (xxii) to appoint persons on adhoc basis on such terms and conditions as it may deem fit for conduct of studies, investigations, research, teaching and other academic programmes undertaken by the Institute;
- (xxiii) to exercise control, and discipline over the employees of the Institute in accordance with the Sree Chitra Tirunal Medical Centre Society Services Rules as existing immediately before the commencement of the Act, until the same has been altered by the Institute;
- (xxiv) to appoint, if it deems fit, delegates to represent the Institute in Conferences in India and abroad;
- (xxv) to publish and or to finance the publication of studies, treatises, books, periodicals, reports and other literature and to sell or arrange for the sale of them;
- (xxvi) to organise and to undertake extra mural studies and extension services;
- (xxvii) to create academic and other posts and to make appointments thereto, subject to the act, rules, and the regulations and subject to budget provisions;
- (xxviii) to institute visiting Professorships and Honorary Professorships and make appointments thereto;
- (xxix) to acquire, hold, dispose of and deal with any property both movable and immovable, belonging to or vested in, the Institute in any manner which is considered necessary for promoting the objects specified in Section 12 of the Act;
- (xxx) to borrow, on the security of the property of the Institute money for the purpose of the Institute subject to the prior approval of the Central Government;
- (xxxi) to fix, demand and receive such fees and other charges as may be prescribed from time to time;
- (xxxii) to make arrangements for promoting the health and general welfare of the employees;

(xxxiii) to regulate and enforce discipline among the students of the Institute and take such disciplinary measures in this regard as may be deemed necessary;

(xxxiv) to do all such other acts and things as may be necessary, incidental or conducive to the attainment of all or any of its objects specified in Section 12 of the Act.

SCHEDULE II

STANDING COMMITTEE—COMPOSITION AND FUNCTIONS

(Please see Regulation 21)

A. STANDING FINANCE COMMITTEE

Composition :

1. Director (Chairman) ;
2. Financial Adviser to the Department of Science and Technology of the Central Government or his representative (Member);
3. Member of the Institute representing Department of Science and Technology, Central Government;
4. One member of the Institute to be nominated by the Governing Body;
5. Financial Adviser and Chief Accounts Officer of the Institute (Ex-Officio Convener).

FUNCTIONS

The Standing Finance Committee shall meet at least once every three months to consider the following matters and make recommendations to the Governing Body thereon :

- (1) To prepare budget estimates of the Institute and to review the accounts of expenditure and to make recommendations to the Governing Body ;
- (2) To consider and make recommendations to the Governing Body on the proposals for new expenditure on major works and purchases;
- (3) To scrutinize reappropriation statements and audit notes and make recommendations there on to the Governing Body;
- (4) To review the finance of the Institute and to suggest concurrent audit conducted wherever necessary;
- (5) To give advise and make recommendations to the Governing Body on any other financial question affecting the affairs of the Institute ;
- (6) All matters relating to the invitation and acceptance of tenders in respect of building, construction and purchases :

B. STANDING ACADEMIC COMMITTEE

Composition : The Academic Committee shall consist of the following :

1. Director (Chairman Ex-Officio);
2. Head, Biomedical Technology Wing ;
3. Three persons to be nominated by Governing Body : from among the Professors and Scientists of the Institute; and Such other persons, not being employees of the Institute, nominated by the Governing Body from time to time for their specialised knowledge provided that the total Membership of the Committee shall not exceed ten.

FUNCTIONS :

The Academic Committee shall meet at least once in three months and consider the following matters and make recommendations to the Governing Body thereon :

- (1) General Supervision over the academic policies of the Institute and methods of instruction, teaching, training, evaluation of research and improvement in academic standards;

- (2) Matters of general academic interest either on its own initiative or on a reference by the Governing Body;
- (3) Planning and formulation of programmes for teaching research and training in the Institute;
- (4) Appointment of eminently qualified persons as question paper setters and Panels of examiners in the subject with which the Institute deals ;
- (5) Approval of courses of study, training and examinations in the subjects with which the Institute deals;
- (6) Supervision of conduct of post-graduate examinations in the subjects with which the Institute deals;
- (7) Formulation of standards and procedures for the selection of students for post-graduate courses;
- (8) Consideration of the results of examinations and recommend candidates for award of degrees, diplomas and other academic distinctions to the Governing Body.

C. STANDING BUILDING COMMITTEE

Composition : The Standing Building Committee shall consist of the following members :

1. Director (Chairman—Ex Officio);
2. Head, Biomedical Technology Wing ;
3. Financial Adviser and Chief Accounts Officer of the Institute (Ex-Officio—Convener) ;
4. A member of the Institute to be nominated by the Governing Body ;
5. A Civil Engineer to be nominated by the Governing Body ; and
6. A member to be coopted by the Director as and when necessary.

FUNCTIONS :

The Standing Building Committee shall meet at least once every six months to consider the following matters and make recommendations to the Governing Body thereon —

- (a) construction of new building;
- (b) acquisition and disposal of land;
- (c) additions or alterations and any other question relating to the maintenance and use of buildings belonging to the Institute.

D. STANDING COMMITTEE FOR SELECTION OF SENIOR STAFF

Composition :

1. A scientist nominated by the President from among the members of the Institute (Chairman);
2. Director (Ex-Officio);
3. Head of the Biomedical Technology Wing of the Institute (Ex-Officio); and
4. A nominee of the Secretary, Department of Science and Technology of the Central Government.

FUNCTIONS :

The Standing Selection Committee on Senior Staff shall meet as often as necessary for the purpose of selecting candidates by interview or otherwise and formulate recommendations for appointment to all posts carrying a pay scale the maximum of which exceeds Rs. 750.00 p.m. provided that in every such meeting an expert from outside the Institute nominated by the President and a Senior Professor of the Institute shall be associated.

E. STANDING COMMITTEE FOR SELECTION OF JUNIOR STAFF

Composition :

1. The Medical Superintendent;
2. Head of the Biomedical Technology Wing of the Institute;
3. A representative of the Academic Wing of the Institute nominated by the Director; and
4. Three persons to be nominated by the President.

FUNCTIONS :

The Standing Committee for Selection of Junior Staff shall meet as often as necessary for the purpose of selecting staff by interview or otherwise and formulate recommendations for appointments to all posts carrying a pay scale the maximum of which does not exceed Rs. 750.00 p.m.; provided that in respect of selection of junior staff in the Biomedical Technology Wing of the Institute, the Head of the Biomedical Technology Wing shall be chairman of the Committee.

F. THE TECHNOLOGY DEVELOPMENT COMMITTEE

Composition :

The Technology Development Committee shall consist of the following members :

1. Director (Chairman—Ex-Officio);
2. Head, Biomedical Technology Wing of the Institute;
3. Two Scientists of the Biomedical Technology Wing of the Institute to be nominated by the President;
4. Two other Scientists/Technologists to be nominated from among the members of the Institute by the President; and
5. Three scientists to be nominated by the Governing Body for their specialised knowledge.

FUNCTIONS :

The Standing Technology Development Committee shall meet at least once every six months to consider the following matters and make recommendations to the Governing Body thereon :

- (a) Technology Policies of the Institute and plans for research and development in relations to biomedical technology;
- (b) Introduction of methods of technology training;
- (c) Evaluation of research and development programmes relating to biomedical technology; and
- (d) Improvement in standards of scientific and technologic performance at the biomedical wing of the Institute.

SCHEDULE III

POWERS AND FUNCTIONS OF THE DIRECTOR

(Please see Regulation No. 24)

1. The Director shall be the academic head and chief executive officer of the Institute and shall as such, be responsible for all its academic activities and for all administrative matters;
2. The Director shall be responsible for implementing the decisions of the Institute and the Governing Body;
3. The Director shall cause to be prepared and submit the Annual Report and the Annual Accounts to the Governing Body;
4. In the absence of the President, the Director shall preside at the Convocations of the Institute held for conferring degrees;
5. The Director shall, with the approval of the President/Chairman, issue notices for and convene meetings of the Institute/Governing Body and cause to be prepared Agenda for such meetings;
6. Subject to the provisions of the Act, and with the approval of the Governing Body, the Director shall open accounts in any Banks. He may with the approval of the Governing Body, delegate the

powers to sign cheques to other officers of the Institute as expedient.

7. The Director shall have and shall exercise all powers relating to discipline and disciplinary matters in respect of the employees of the Institute in accordance with the disciplinary rules as set out in the service rules of Sri Chitra Tirunal Medical Central Society for Advanced Studies in Specialities, Trivandrum, as they existed before commencement of the Act unless altered by the Institute.

Powers relating to discipline and disciplinary action in relation to students of the Institute shall vest in the Director.

(a) Subject to restrictions, if any, as may be imposed by the Governing Body to make appointments against sanctioned posts in the Institute, carrying pay scale the minimum of which does not exceed Rs. 1700/- p.m.

(b) To make contract appointments for a period not exceeding one year for temporary works/ assignments on a monthly remuneration of not exceeding Rs. 1700/- per month and to create posts therefore subject to budget provisions. Such appointments shall be reported to the Governing Body at its subsequent meeting and shall continue only subject to the approval of the Governing Body.

10. Subject to restrictions, if any, as may be imposed by the Governing Body to make promotions to posts carrying pay scales the minimum of which does not exceed Rs. 1700/- per mensem subject to the service rules regarding promotions.

11. Notwithstanding anything contained in this Schedule, the Director shall have all the powers vested in him under the General Conditions of Service and Personnel Conduct Rules of the Sri Chitra Tirunal Medical Central Society for advanced studies in Specialities, Trivandrum, as they existed before commencement of the Act unless altered by the Institute.

12. To invite tenders and to enter into contract with any party on behalf of the Institute, subject to budgetary provision, for the supply of equipment chemicals, drugs and provisions in all cases, and where the total amount of the contract does not exceed Rs. 2,00,000/-.

13. To sanction distribution of budget provision under several items of expenditure.

14. To sanction the reappropriation of funds from one sub-head to another subject to any restriction which may be placed by the Governing Body,

15. To accept security Bonds in the case of employees who have to furnish Security;

16. To execute agreements on behalf of the Institute wherever necessary;

17. To enter into contract with contractors on behalf of the Institute;

18. To enter into contract in respect of sanctioned minor and major works;

19. To sign agreement in respect of buildings taken on rent for the use of the Institute;

20. To sanction journeys on duty by officers of the Institute within the country;

21. To sanction the auction sale of usufruits of trees for a period of upto three years at a time; and

22. To rent building subject to conditions stipulated by the Governing Body.

स्वास्थ्य सौर परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 17 जून 1981

- संक्षिप्त धीर्घकालीन प्रारंभ : 1. इन नियमों का नाम बी० सी० जी० थैक्सीन प्रयोगशाला गिडी, मद्रास (समूह 'ग' पर) भर्ती नियम, 1981 है।
2. ये सरकारी गजपत में प्रकाशित होने की विधि से लागू होते।
- उपायोगन : ये नियम इन नियमों के साथ भल्लन अनुसूची के बालम 1 में उल्लिखित पदों पर लागू होते।
- संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमात्र : पदों की संख्या उनका वर्गीकरण तथा वेतनमात्र वही होते जैसा कि अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में निर्दिष्ट हैं।
- भर्ती यी विधि, आयुसीमा, अर्द्धतार्ये प्रादि : उक्त पदों पर भर्ती की विधि, आयुसीमा, अर्द्धतार्ये तथा अन्य बातें वही होती जैसा कि उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 में निर्दिष्ट हैं।
- प्रतवेत्ता : कोई व्यक्ति

5. अनहृता : कोई अविन

(क) जो किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह करता/करती है अथवा विवाह की संविदा करता/करती है जिसका कि पति या जिसकी पत्नी जीवित हो, अथवा (ख) जो व्यक्ति एक पति/पक्ष पत्नी के जीवित रहने हुए किसी व्यक्ति के साथ विवाह करता/करती है अथवा विवाह की संविदा करता/करती है, सेवा में नियुक्त होने का पात्र नहीं है/होता।

परन्तु केवल नकार यह नमामान होने पर कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के दूसरे पकार पर नाम होने वाली स्त्रीय विधि के अन्तिम अनुभेद है, और ऐसा करने के प्रथम आधार है, किसी भी व्यक्ति को इस विधि के प्रबन्ध में छुट दे भक्ती है।

6. सूट देने की मार्शिन: जहाँ केंद्रीय मरकार का यह विवार हो कि सूट देना आवश्यक या उचित है वहाँ वह संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से और लिंगित कारणों के माध्यार पर आदेश द्वारा चिमी थ्रेपी या वर्ग से संबंधित व्यक्तियों को हन नियमों के किसी उपबन्ध से सूट दे सकती है।

7. व्यावृति: इस संबंध में केंद्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किये गये प्रदेशों के अनुसार अनुप्रयोग जानकारी/अनुप्रयोग जनजाति तथा विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिये जिन आरक्षणों और अन्य रियायतों की व्यवस्था करने आयोजित है, उन पर इन नियमों की किसी बात का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अनसुची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	भवयन पद	क्या केन्द्रीय मीठे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की आयु सीमा नियमावली, 1972 के नियम 30 के अंतर्गत जोड़े गये सेवा वर्षों का लाभ याहू है	मीठे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक स्थान अन्वय अहमारण	
1	2	3	4	5	6	7	8
1. कार्यालय अधीक्षक	* 1 (एक)	भारात्य केन्द्रीय सेवा ममूल 'ग' अराज- परिवत अनुसंचिकीय	550-20-650- 25-750 रुपये	भवयन	नहीं	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
2. अपर अधीक्षक लिपिक	* 3 (तीन)	भारात्य केन्द्रीय सेवा ममूल 'ग' अराज- परिवत अनुसंचिकीय	330-10-380- द० रो० 12- 500-द० रो०-15- 560 रुपये	भवयन	नहीं	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
3. स्टोर कीपर	1 (एक)	भारात्य केन्द्रीय सेवा ममूल 'ग' अराज- परिवत अनुसंचिकीय	330-10-380- द० रो०-12- 500-द० रो०-15- 560 रुपये	भवयन	नहीं	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
4. स्टेनोग्राफर	7 (सात)	भारात्य केन्द्रीय सेवा ममूल 'ग' अराज- परिवत अनुसंचिकीय	425-15-500- द० रो०-15- 560-20-700 रुपये	भवयन	नहीं	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

“कार्यमार के अनुसार पक्षों की संक्षय में परिवर्तन हो गया है।

1	2	3	4	5	6	7	8
5. तकनीकी सुपरक्षण (सात)	7	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "ग" प्रारज- पनित अनुमतिवीय	425-15-300 द० रो० 15- 560-20-700 रप्ये	प्रचयन	नहीं	18-25 वर्ष* वी० एस० सी० उन उम्मीदपात्रों मोट: आयु गता अवधारित करने की निर्णयिक तारीख भारत में रहने वाले अध्यार्थियों में (उन से भिन्न जो अंड- मान और निको- बार द्विप्रसमूह तथा लक्ष्यीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिये नियत की गयी अभियान तारीख होगी। *केन्द्र सरकार द्वारा जारी किये गये अनुवेशों प्रीर आदे- शों के अनुसार सर- कारी कर्मचारियों के मामले में 35 वर्ष तक शिक्षित- नीय।	की बरीचता दी जायेगी जिसके पास लैबोरेटरी टैक्नालॉजी में मान्यताप्राप्त डिप्लोमा है। अवया मान्यताप्राप्त जीवाणु- विज्ञान प्रयोगशाला में एक वर्ष काम करने का अनुभव है। मोट: अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के मामले में संकेत श्राविकारी के विवेक पर अनुभव संबंधी अहंताएं शिक्षितनीय हैं यदि जन्म की किसी अवस्था में सक्षम प्राधि- कारी या यह विचार हो कि इन उम्मीदवारों के लिये आरक्षन रिक्त पदों को भरने के लिए इन जातियों के अवैक्षित अनुभव रखने वाले उम्मीद- वार पराप्ति संघरा में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।
6. वैज्ञानिक सहायक	2* (दो)	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "ग" प्रारज- पनित अनुमतिवीय	330-10-380- द० रो० 12-500 द० रो० 15-560/-रप्ये	प्रचयन	नहीं	लागू मही होता	लागू मही होता
7. सांख्यिकीय सहायक	1* (एक)	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "ग" प्रारज- पनित अनुम- तिवीय	425-15-500- द० रो० 15- 560-20-700 रप्ये	लागू नहीं होता	नहीं	30 वर्ष से कम केन्द्र सरकार द्वारा जारी किये गये अनुवेशों और आदेशों के अनुसार सरकारी कर्मचारियों के मामले में 35 वर्ष तक शिक्षितनीय। नोट: आयुसीमा अवधारित करने की निर्णयिक तारीख भारत में रहने वाले अध्यार्थियों से (उनसे भिन्न जो अंडमान और निकोबार द्विप्रसमूह तथा लक्ष्यीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिये नियत की गयी अभियान तारीख होगी।	अनिवार्य : सांख्यिकी में अध्या- गण तथास्त्र में सांख्यिकी सहित मान्यता डिप्लोमा प्राप्ति विस्तकी किसी मान्यता प्राप्ति सांख्यिकी कार्यालय में आकड़े संबंधी कार्य में नीन वर्ष का अनुभव हो। मोट: अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीद- वारों के मामले में सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर अनुभव संबंधी अहंताएं शिक्षि- तनीय हैं यदि जन्म की किसी अवस्था में सक्षम प्राधिकारी का यह विचार हो कि इन उम्मीदवारों के लिये आरक्षन रिक्त पदों को भरने के लिए इन जातियों के अवैक्षित अनु- भव रखने वाले उम्मीदवार पराप्ति संघरा में उत्तम होने की संभावना नहीं है।

*कार्यमार्क के अनुसार पदों की मांग्या में परिवर्तन हो सकता है।

1	2	3	4	5	6	7	8
8. तकनी-प्राप्ति	2*	सामान्य केन्द्रीय सेवा (वो)	380-12-500- समूह "ग" द० रो० १५- ५६०/-रप्य	प्रभावन नहीं	30 वर्ष से कम केन्द्र एस० एस० सी० प्रथा सरकार द्वारा जारी किये गये अनुदेशों और आदेशों के अनुसार सरकारी कर्मचारियों के मामले में 35 वर्ष तक शिथिलनीय।	समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण हो: एवर कंजीसार्टिंग/फैकरीजरेशन प्रथा मेकेनिकल हंजीनियरी में डिप्लोमा। प्रनुभव : फीज इयर, डीप, फीजर रेफरीजरेशन और प्रथा जिकिल्स प्रयोगशाला	एस० एस० सी० प्रथा समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण हो: एवर कंजीसार्टिंग/फैकरीजरेशन प्रथा मेकेनिकल हंजीनियरी में डिप्लोमा। उपकरणों का इस्तेमाल, रख- रखाव और भरभ्यत करने का कम से कम तीन वर्ष का प्रनुभव। नोट : आयुसीमा प्रब- धारित करने की निर्णा- यक तारीख भारत में रहने वाले प्राया- र्थियों से (उनसे भिन्न जो अंडमान और निकोबार द्वीप- समूह तथा लालडीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने की लिये नियत की गयी अंतिम तारीख होगी।
9. केमर टेकर (एक)	1*	सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह "ग" प्राराज- पालित प्रनुभवि- चीय	330-10-380- द० रो० १२- ५००-द० रो०- १५-५६०/-रप्य	आगू नहीं होता	नहीं	18 से 25 वर्ष सरकारी कर्मचारियों के मामले में 35 वर्ष तक शिथिलनीय	प्रनिवार्यः 1. सेविक प्रथा समकाल परीक्षा। 2. मान्यताप्राप्त संस्थान से समिटेंशन में डिप्लोमा

नोट : आयुसीमा प्रब-
धारित करने की
निर्णायक तारीख
भारत में रहने वाले
प्रायर्थियों से (उन
से भिन्न जो अंडमान
और निकोबार द्वीप-
समूह में रहते हैं)
आवेदन प्राप्त करने
के लिये नियत की
गयी अंतिम तारीख
होगी।

*कायमार के अनुमार पदों के संख्या में परिवर्तन हो सकता है।

सीधे भर्ती किए जाने वाले अक्षियों के लिए विहित प्राप्त और अधिकारीका लागू होगी या नहीं	परिवेशका की पद्धति/भर्ती सीधी, द्वारा प्रदत्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण यदि विभागीय प्रोफेशन भर्ती करने में किंतु
प्राप्ति विविध प्रक्रिया कोई नहीं	या प्रदत्ति द्वारा अधिकारी प्राप्ति द्वारा भर्ती की दशा में समिति है तो उराकी परिस्थितियोंमें संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
प्रोफेशन की दशा में भर्ती जाने वाली रिकॉर्डों की जाग्रता	नियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा श्रेणियों जिनसे प्रोफेशन/प्रति तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा नियुक्ति स्थानांतरण किया गया होगी या नहीं प्रतिशतता।
लागू नहीं होता	9 10 11 12 13 14
दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा ए साजही सकने पर पदोन्नति हेठलकर्क प्रेड में पात्र वर्ष की नियमित सेवा प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण 1 निदेशक, बी० सी० जी० लागू नहीं होता वैक्सीन प्रयोगशाला—अध्यक्ष
दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा ए साजही सकने पर पदोन्नति हेठलकर्क प्रेड में पात्र वर्ष की नियमित सेवा प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण 2 दो उप-महायक निदेशक, बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला गिरी, मद्रास—सदस्य केन्द्रीय सरकार के अधीन काम करने वाले कर्मचारी जो समान पदों पर कार्य कर रहे हों अधिका 425-700 रुपये के वेतनमान में पात्र वर्ष की सेवा कर रहे हों और प्रशासनिक/लिखा संबंधी कार्य का अनुभव रखते हों (साधारणतया सीन वर्ष से अधिक महीं)।
दो वर्ष	शत प्रतिशत प्रोफेशन द्वारा 3 सीनियर भाष्यक निदेशक, किंग इस्टीट्यूट, तमिलनाडु सरकार, गिरी, मद्रास—सदस्य
दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा दो उप-सहायक निदेशक बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिरी, मद्रास—अध्यक्ष
दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा दो उप-सहायक निदेशक बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिरी, मद्रास—सदस्य
दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा 3 सहायक निदेशक (सीनियर) किंग इस्टीट्यूट, तमिलनाडु सरकार, गिरी, मद्रास—सदस्य
दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा 1 निदेशक, बी० सी० जी० लागू नहीं होता वैक्सीन प्रयोगशाला, गिरी, मद्रास—अध्यक्ष
दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा 2 दो उप-सहायक निदेशक, बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिरी, मद्रास—सदस्य
दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा 3 सहायक निदेशक (सीनियर) किंग इस्टीट्यूट, तमिलनाडु सरकार, गिरी, मद्रास—सदस्य
दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा 1 निदेशक, बी० सी० जी० समूह 'ग' विभागीय पश्चिम प्रोफेशन लागू नहीं होता समिति जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे।
दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा 2 दो उप-सहायक निदेशक, बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिरी, मद्रास—सदस्य
दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा 3 सहायक निदेशक (सीनियर) किंग इस्टीट्यूट, तमिलनाडु सरकार, गिरी, मद्रास—सदस्य
दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा 330 560 रुपये के वेतनमान में काम करने वाले स्टेनोग्राफरों की पदोन्नति द्वारा जिन्होंने बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिरी, मद्रास में पात्र वर्ष की नियमित सेवा की हो।
दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा 1 निदेशक, बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिरी, मद्रास—अध्यक्ष
दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा 2 दो उप-सहायक निदेशक, बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला गिरी, मद्रास—सदस्य
दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा 3 सहायक निदेशक (सीनियर) किंग इस्टीट्यूट, तमिलनाडु सरकार, गिरी, मद्रास—सदस्य

9	10	11	12	13	14
लागू नहीं होता	2 वर्ष	25 प्रतिष्ठित पदोन्नति द्वारा 75 वैज्ञानिक सहायकों की पदोन्नति प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा।	द्वारा जो इस ग्रेड में कम से कम पांच वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर चुके हों।	समूह "ग" विभागीय प्रोफ्रेशनल तमिति जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे :—	लागू नहीं होता
लागू नहीं होता	यो वर्ष	पदोन्नति द्वारा	वर्णित प्रयोगशाला सहायकों में से पदोन्नति द्वारा जिन्होंने इस पद पर कम से कम पांच वर्ष की नियमित सेवा की हो और जिन्होंने एस० एस० एल० सी० या समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण की हो।	समूह "ग" विभागीय प्रोफ्रेशनल तमिति जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे :—	लागू नहीं होता।
लागू नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	1. निवेशक, बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिरी, मद्रास—प्रध्यक्ष 2. दो उप सहायक निवेशक, बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिरी, मद्रास—सदस्य 3. सहायक निवेशक (सीनियर) किंग हस्टीट्यूट, तमिलनाडु सरकार, गिरी, मद्रास—सदस्य	समूह "ग" विभागीय प्रोफ्रेशनल तमिति जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे :—
लागू नहीं होता	दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा ऐसा न हो सकते पर सीधी भर्ती द्वारा	बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिरी मद्रास में काम करते वाले उन मकेनिकों की पदोन्नति द्वारा जिन्होंने इस ग्रेड में पांच वर्ष की नियमित सेवा की हो।	1. निवेशक, बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिरी, मद्रास—प्रध्यक्ष 2. दो उप सहायक निवेशक, बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिरी, मद्रास—सदस्य 3. सहायक निवेशक, (सीनियर) किंग हस्टीट्यूट, तमिलनाडु सरकार, गिरी, मद्रास—सदस्य	समूह "ग" विभागीय प्रोफ्रेशनल तमिति जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे :—
लागू नहीं होता	दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा ऐसा न हो सकते पर सीधी भर्ती द्वारा	बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिरी मद्रास में काम करते वाले उन मकेनिकों की पदोन्नति द्वारा जिन्होंने इस ग्रेड में पांच वर्ष की नियमित सेवा की हो।	1. निवेशक, बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिरी, मद्रास—प्रध्यक्ष 2. दो उप सहायक निवेशक, बी० सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिरी, मद्रास—सदस्य 3. सहायक निवेशक (सीनियर) किंग हस्टीट्यूट, तमिलनाडु सरकार, गिरी, मद्रास—सदस्य	समूह "ग" विभागीय प्रोफ्रेशनल तमिति जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे :—

9	10	11	12	13	14
लाग नहीं होता	दो वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लाग नहीं होता	समूह "ग" विभागीय प्रोफ्रेशनल लाग नहीं होता समिति जिसमें विम्ब- लिंगिन सरकार होंगे—	

1. निदेशक, श्री सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिरी, मद्रास—प्रध्यक्ष
2. दो उप सहायक निदेशक, श्री सी० जी० वैक्सीन प्रयोगशाला, गिरी, मद्रास—सरकार
3. निदेशक, किंग इंस्टी-ट्रॉट गिरी, मद्रास तमिलनाडु सरकार—सरकार

[सं० 12018/4/78-प्रशा०—II/पी०एच०]
पूर्णिमा जैत, अध्यक्ष सचिव

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

New Delhi, the 17th June, 1981

G.S.R. 619.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to certain non-gazetted Ministerial & non-Ministerial Group 'C' posts in the B.C.G. Vaccine Laboratory, Guindy, Madras, namely :—

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called the B.C.G. Vaccine Laboratory, Guindy, Madras (Group 'C' posts) Recruitment Rules, 1981.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. Application :—These rules shall apply to the posts specified in Column I of the Schedule annexure to these rules.
3. Number of posts, Classification and scale of Pay :—The number of the said posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in Columns 2 to 4 of the said Schedule.
4. Method of Recruitment, age limit and qualifications etc. :—The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

5. Disqualification—No person—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any of the said posts :

Provided that the Central Government may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax :—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

S. No.	Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-Selection Post	Whether benefit of added years admissible under rule 30 of the CCS (Pension) rules 1972)	Age limit for direct recruitment	Educational and other qualifications required for direct recruitment
1	2	3	4	5	6	7	8	
1.	Office Superintendent	*1 (one)	General Central Service Group 'C' Non-gazetted Ministerial.	Rs. 550-20- 650-25-750	Non-Selection	No	Not applicable	Not applicable

1	2	3	4	5	6	7	8
2. Upper Division Clerk (Three)	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Ministerial	Genoral Central Service Group 'C' Non-Gazetted Ministerial	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.	Non-Selection	No	Not Applicable	Not Applicable
3. Store keeper (one)	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Ministerial	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Ministerial	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.	Non-Selection	No	Not Applicable	Not Applicable
4. Stenographer (Senior) (one)	-Do-	-Do-	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700.	Selection	No	Not Applicable	Not Applicable
5. Technical Supervisor (seven)	-Do-	-Do-	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700.	Non-Selection	No	18—25 years* Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (Other than in Andaman & Nicobar Islands & Lakshadweep).	B.Sc. Preference will be given to candidates possessing a recognised diploma in Laboratory Technology of one year's practical experience in bacteriological work in a recognised Bacteriological Laboratory. Note : The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the competent authority in the case of candidates belonging to the Scheduled Caste/Scheduled Tribes if at any stage of selection the competent authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.
6. Scientific Assistant (Two)	-Do-	-Do-	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.	Non-Selection	No	Not Applicable	Not Applicable
7. Statistical Assistant (one)	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted, Non-Ministerial	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted, Non-Ministerial	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700.	Not Applicable	No	Below 30 years Relaxable upto 35 years in case of Govt. servants in accordance with the instructions and orders issued by the Central Government. Note : The crucial date for determining the age limit shall be	Essential : Master's Degree in Statistics or in Mathematics with Statistics or graduate with 3 years experience or handling Statistical material in a recognised Statistical Office. Note : The qualification(s) regarding

*Subject to variation depending on workload.

1

2

3

4

5

6

7

8

the closing date for receipt of applications from candidates in India (Other than those in the Andaman & Nicobar Islands & Lakshadweep)

experience is relaxable at the discretion of the competent authority in the case of SC/ST candidates if, at any stage of selection the competent authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

8. Technician	*2 (Two)	General Central Service Group	Rs. 380-12- 500-EB-15- 560.	Non- Selection	No	Below 30 years Relaxable upto 35 years in the case of Govt. servants in accordance with the instructions and orders issued by the Central Govt. Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (Other than those in Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).	Passed S.S.L.C. or equivalent. Qualification : Diploma in Air Conditioning/ Refrigeration or Mechanical Engineering. Experience : At least 3 years experience in running and maintaining and repairing of Mechanical & Electrical Equipments such as Freeze Dryers, Deep Freezer, Refrigerations and other medical laboratory equipments. Note : The qualifications regarding experience is relaxable at the discretion of the competent authority in the case of candidates belonging to SC/ST if, at any stage of selection, the competent authority is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.
9. Care Taker	1* (One)	General Central Service Group	Rs. 330-10- 380-EB-12- 'C' Non- Gazetted, Non- Ministerial	Not Applicable 500-EB-15- 560.	No	18 to 25 years Relaxable upto 35 years in the case of Govt. servants.	Essential : 1. Matriculation or equivalent. 2. Diploma in Sanitation from a recognised Institution. Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing

*Subject to variation depending on workload.

1	2	3	4	5	6	7	8
						date for receipt of applications from candidates in India (Other than those in the Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep).	
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotedees.	Period of Probation if any.	Method of rectt. whether by direct rectt. or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of rectt. by promotion deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a D.P.C. exists what is its composition.	Circumstances in which U.P. S.C. is to be consulted in making recruitment.		
9	10	11	12	13	14		
			Promotion :				
1. Not Applicable	Two years	By promotion failing which by transfer on deputation	Head Clerk with 5 years regular service in the grade.	1. Director, B.C.G. Vaccine Laboratory —Chairman 2: Two Deputy Assistant Directors B.C.G. Vaccine Laboratory, Guindy, Madras —Members.	Not Applicable		
			Transfer on deputation : Officer under the Central Govt. holding analogous posts or with five years' service in the post in the scale of Rs.425-700 or equivalent scale experience in administration/accounts matters. (Ordinarily not exceeding 3 years).	3. Assistant Director (Senior) King Institute, Guindy, Madras —Member.			
2. Not Applicable	Two years	100% by promotion	Promotion of Lower Division Clerks with not less than 8 years' regular service in the Grade.	1. Director, B.C.G. Vaccine Lab., Guindy, Madras —Chairman. 2. Two Deputy Assistant Directors, B.C.G. Vaccine Laboratory, Guindy, Madras —Members 3. Assistant Director (Senior), King Institute Govt. of Tamil Nadu, Guindy, Madras —Member	Not Applicable		
3. Not Applicable	Two years	By promotion	Promotion for Lower Division Clerks with not less than 8 years' regular service in the Grade of which one year's experience should be in handling stores and maintenance of stock registers.	Group 'C' DPC comprising of : 1. Director, B.C.G. Vaccine Laboratory Guindy, Madras —Chairman. 2. Two Deputy Assistant Directors, B.C.G. Vaccine Lab., Guindy, Madras —Members 3. Assistant Director (Senior), King Institute, Govt. of Tamil Nadu, Guindy, Madras —Member	Not Applicable		

9	10	11	12	13	14
---	----	----	----	----	----

4. Not Applicable	Two years	By promotion	Promotion from Stenographers in the scale of Rs. 330-560 with 5 years regular service in the B.C.G. vaccine Laboratory, Guindy, Madras.	Group 'C' DPC comprising of : 1. Director, B.C.G. Vaccine Laboratory, Guindy, Madras —Chairman 2. Two Deputy Assistant Directors B.C.G. Vaccine Lab., Guindy, Madras —Members 3. Assistant Director (Senior), King Institute, Govt. of Tamil Nadu, Guindy, Madras —Member	Not Applicable
5. Not Applicable	Two years	25 per cent by promotion; 75 percent direct recruitment	Promotion from Scientific Assistants with at least 5 years regular service in the Grade.	Group 'C' DPC comprising of : 1. Director, B.C.G. Vaccine Laboratory, Guindy, Madras —Chairman. 2. Two Dy. Assistant Directors, B.C.G. Vaccine Lab., Guindy, Madras —Members 3. Director, King Institute, Govt. of Tamil Nadu, Guindy, Madras —Member	Not Applicable
6. Not Applicable	Two years	By promotion	Promotion from Senior Laboratory Assistants with not less than 5 years regular service in the post and possessing not less than a pass in S.S.L.C. or equivalent examination.	Group 'C' DPC comprising of : 1. Director, B.C.G. Vaccine Lab., Guindy, Madras —Chairman 2. Two Deputy Assistant Directors B.C.G. Vaccine Lab., Guindy, Madras —Members 3. Director, King Institute, Govt. of Tamil Nadu, Guindy, Madras —Member	Not Applicable
7. Not Applicable	Two years	By direct recruitment	Not Applicable	Group 'C' DPC comprising of : 1. Director, B.C.G. Vaccine Lab., Guindy, Madras —Chairman. 2. Two Deputy Assistant Directors B.C.G. Vaccine Lab., Guindy, Madras —Members 3. Assistant Director (Senior), King Institute, Govt. of Tamil Nadu, Guindy, Madras —Member	Not Applicable

9	10	11	12	13	14
Not applicable	Two years	By promotion failing which by direct recruitment.	Promotion from Mechanics of the B.C.G. Vaccine Lab., Guindy, Madras with not less than 5 years regular service in the grade.	Group 'C' DPC comprising of :	Not applicable
				1. Director, B.C.G. Vaccine Laboratory, Guindy, Madras—Chairman. 2. Two Deputy Assistant Directors, B.C.G. Vaccine Lab. Guindy, Madras—Members 3. Assistant Director (Senior), [King Institute, Govt. of Tamil Nadu, Guindy, Madras—Member	
Not applicable	Two years	By direct recruitment	Not applicable	Group 'C' DPC comprising of :	Not applicable
				1. Director, B.C.G. Vaccine Laboratory, Guindy, Madras—Chairman 2. Two Deputy Assistant Directors, B.C.G. Vaccine Laboratory, Guindy, Madras—Members 3. Director, King Institute, Government of Tamil Nadu, Guindy, Madras—Member	

[No. 12018/4/78-Admn. II/PH]
PURNIMA JAIN, Under Secy.

(स्वास्थ्य विभाग)

मई विली, 23 जून 1981

स्वास्थ्य नियम 620 :- राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए और स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय के केन्द्रीय श्रीपथि मासक नियंत्रण संगठन (बर्ग 1 और 2 पद) भर्ती नियम, 1973 को प्रक्रियालय करते हुए स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय के केन्द्रीय श्रीपथि मासक नियंत्रण संगठन में कलिपय ममूह "क" पदों पर भर्ती की पद्धति का विस्तयमन करने के लिए सिमललिखित नियम बनाए हैं, श्रीपथि :-

1. कलिपय मासक और प्रारम्भ :- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय श्रीपथि मासक नियंत्रण संगठन (ममूह "क" पद) भर्ती नियम, 1981 है।
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
2. लागू होना :- ये नियम इन नियमों से उपायक अनुसूची के संख्या 1 में विविध पदों को लागू होंगे।
3. पद संख्या, कार्यक्रम और वेतनमात्र :- उक्त पदों की संख्या, उनका कार्यक्रम और उनके वेतनमात्र ये होंगे जो उक्त अनुसूची के संख्या 2 से 4 में विविध हैं।
4. भर्ती की पद्धति, प्रायु सीमा और अन्य प्रक्रियाएँ :- उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, प्रायु-सीमा, प्रक्रियाएँ और उनमें संबंधित अन्य बातें ये होंगी जो पूर्वीनिर अनुसूची के संख्या 5 से 14 में विविध हैं।
5. निरहृताएँ और व्यक्ति, —

- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या
- (ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है, उक्त पदों पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य प्रकार को लागू स्वीकृत विधि के अधीन अनुमति है और ऐसा करने के लिए अन्य साधारण है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती।

6. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या सवैधीन है, वहाँ यह उसके लिए जो कारण है उन्हें सेवनदृ करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रबंध के व्यक्तियों की वाचत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकती।

7. व्यापूर्ति—इन नियमों की कोई भी भाव ऐसे आरक्षणी, भाष्य-सीमा में कूट और अन्य रियायतों पर आवाष नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रबंध के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

संक्षेपी

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमाप	चयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले अधिकारी	सेवा में जाए गए वर्गों का अधिकारीन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए वैधिक और विवित सेवा (पेशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुभव ही या नहीं।
-----------	----------------	----------	---------	--------	----------------------------------	---------------------------------------	---

1	2	3	4	5	6	7	8
1. शीष्यत्व नियंत्रक (भारत)	1	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "क" राजपक्ष	2000-125/2- 2500 रु. ००	चयन (सरकारी सेवकों के लिए ३ वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।	५० वर्ष से अधिक वर्षीय (सरकारी सेवकों के लिए ३ वर्ष तक शिथिल की जा सकती है)।	नहीं	1. आवश्यक : (i) किसी आवश्यकात्व परिवर्तनीय की रसायन विज्ञान/वैज्ञानिक रसायन विज्ञान वैद रसायन/भैण्डी/सेवजनुष्ठान विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि या समतुल्य; (ii) ग्रीष्मिति, मानकीकरण और ग्रीष्मिति मानकों के नियंत्रण से संबद्ध समस्याओं से निपटने का १५ वर्ष का अनुभव या किसी अन्यतिप्राप्त समुदाय में ग्रीष्मितियों के विनियोग का १५ वर्ष का अनुभव या टिप्पणी—1. अहंतार्दृ अन्यथा सुप्रहित अन्यतियों के मानकों में सब लोक सेवा आयोग के विवेकानुत्तर अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों के मानकों में उस धरान में शिथिल की जा सकती है जब कि चयन के किसी प्रकार पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है, कि इनके लिए आरक्षित रिक्त स्थानों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले इन समुदायों के अधिकारी परामर्श संबंध में उपलब्ध नहीं हो सकते।

1	2	3	4	5	6	7	8
2. (i) उप-प्रौद्योगिकीय नियंत्रक (भारत)-6	7	माध्यार्थ केन्द्रीय राजपत्रिका (भारत)	1500-8-1800 द० अमन राजपत्रित	50 वर्ष से अधिक नहीं (सरकारी सेवकों के लिए 5 वर्ष तक शिखिल की जा सकती है)	नहीं	व्यापकीय :—प्रौद्योगिकीय और प्रसाधन सामग्री प्रशिक्षणम्, 1940 तथा उसके अधीन नियंत्रों के प्रशासन और/या प्रौद्योगिकीय के विनियोग प्रौद्योगिकीय के व्यापार और नियंत्रित सम्बन्धित समस्थानों के निपटने का पर्याप्त अनुभव	
(ii) उप-प्रौद्योगिकीय नियंत्रक (भारत)-1				टिप्पण :—प्रायः सीमा अवकाशित करने के लिए नियंत्रित तारीख भारत में रहने वाले अध्ययियों से (उनसे भिन्न जो अन्दरान और निकोबार हीप तथा लकड़ीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।		(क) उप-प्रौद्योगिकीय नियंत्रक (भारत) के पदों के लिए— आवश्यक : (i) किसी मान्यता प्राप्त विवेकानुसार रसायन विज्ञान/भैरविज्ञान रसायन विज्ञान/जैव रसायन/भैरव विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि या सम्मुख्य ; (ii) प्रौद्योगिकीय मानकीकरण और प्रौद्योगिकीय मानकों के विनियोग से सम्बद्ध समस्याओं से निपटने का 12 वर्ष का अनुभव ।	या किसी व्यापारिग्राम सम्मुख्यान में प्रौद्योगिकीयों के विनियोग या परीक्षण का 12 वर्ष का अनुभव ।

टिप्पण—1 अनुभव अन्यथा सुप्रहित अध्ययियों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिखिल की जा सकती है ।

टिप्पण—2 अनुभव संबंधी अनुभव संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों के अध्ययियों के मामले में उस दशा में शिखिल की जा सकती है, जबकि चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है, कि इसके लिए आरक्षित रिक्त स्थानों को भरने के लिए प्रपोक्षित अनुभव रखने वाले हर समुदायों के अध्ययीन पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे ।

व्यापकीय :
प्रौद्योगिकीय और प्रसाधन सामग्री प्रशिक्षणम्, 1940 तथा उसके अधीन

1

2

3

4

5

6

7

8

नियमों के प्रशासन और/या शौचियों के विनियोग और परीक्षण और/या शौचियों के भायात और नियति से सम्बन्धित समस्याओं से निपटने का पर्याप्त अनुभव ।

(ब) उप-शौचिय नियन्त्रक (भारत) (नई शौचियां) के पद के लिए—

आवश्यक :

(i) (अमृशप्रसिद्धि के लिए अहंताओं से भिज) भारतीय शायुषिकान परिषद् अधिनियम, 1956 की प्रथम या द्वितीय अनुसूची या तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित कोई मान्यता-प्राप्त शायुषिकान अहंता/तृतीय अनुसूची के भाग 2 में सम्मिलित शैक्षक अहंताएँ धारण करने वाले व्यक्तियों की भारतीय शायुषिकान परिषद् अधिनियम 1956 की धारा 13 की उपधारा (3) में नियन शर्तें भी पूरी करारी चाहिए ।

(ii) द्वितीय मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की सेपज-गुण विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि या समतुल्य ।

(iii) डाकटरी जांच की, जिसके अस्तरेत जांचों के प्रोटोकॉल बनाना भी है, योजना और उपयुक्त प्रोफार्म बनाने का 8 वर्ष का अनुभव ।

या

डाकटरी पूर्व योक्ताओं की आनंदीन का और “नई शौचियों” पर डाकटरी जानकारी के परीक्षण का आठ वर्ष का अनुभव ।

बोडीय :

शौचिय और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के प्रशासन का शौचियों के विनियोग तथा परीक्षण का पर्याप्त अनुभव और नई शौचियों के अनु-शौचन के लिए प्रक्रिया शौचियों के मालक बनाने का ज्ञान ।

संघ भर्ती किए जाने परीक्षाका की अवधि- भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी प्रोलति/प्रतिनियुक्ति/स्वानान्तरण यदि विभागीय प्रोलति या जोक्ति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/ द्वारा भर्ती की बाबा-वे अंगिया समिति है तो उसकी स्वानान्तरण द्वारा तथा विभाग जिनसे प्रोलति/प्रतिनियुक्ति/ संरक्षण पद्धतियोंद्वारा भर्ती किए जाने स्थानान्तरण किया जाएगा आली रिक्तियों की प्रतिशतता

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में सब लोक सेवा भायोग से परामर्श किया जाएगा

9	10	11	12	13	14
प्रायुः सही ग्रीष्मिक अर्द्धवर्षां : हां	2 वर्ष	जीवति द्वारा जिसके न हो प्रोलति : ऐसे उप भौतिकि सकते पर सीधी भर्ती द्वारा।	निवेदक (भारत) और उप भौतिकि नियमक (भारत) (नई भौतिकि) जिसके उप भौतिकि में वाच वर्ष नियमित (1) प्रध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा की है।	(प्रोलति पर विचार करने के लिए) समूह "क" वि० प्र० स० में निम्ननियुक्ति होते हैं— (1) प्रध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा भायोग—प्रध्यक्ष (2) सचिव, स्वास्थ्य मंत्रालय—सदस्य (3) संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य मंत्रालय—सदस्य (4) स्वास्थ्य सेवा महा- निदेशक—सदस्य (पुणि पर विचार करने के लिए समूह "क" वि० प्र० स० में निम्ननियुक्ति होते हैं— (1) सचिव, स्वास्थ्य मंत्रा- लय—प्रध्यक्ष (2) संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य मंत्रालय—सदस्य (3) स्वास्थ्य सेवा महा- निदेशक—सदस्य टिप्पणि : पुणि से संबं- धित विभागों ये प्रोलति समिति की कार्यवाहियाँ, संघ लोक सेवा भायोग के अनुमोदनार्थ भौतिकि जाएंगी। किस्तु यदि भायोग इनका अनुमोदन नहीं करना है तो, विभागीय प्रोलति समिति की बैठक संघ लोक सेवा भायोग के ध्यक्ष या किसी सदस्य की समीक्षा में किए से होगी।	प्रोलति, सीधी भर्ती करने समय और इन नियमों के किसी उपबन्ध को संशोधित/शिथित करने समय संघ लोक सेवा भायोग से परामर्श किया जाएगा।
प्रायुः नहीं ग्रीष्मिक अर्द्धवर्षां : हां	2 वर्ष	50 अतिवाल प्रीलैंड द्वारा, प्रोलति दिक्षा—] जिसके म हो सकते पर सीधी भर्ती द्वारा ; 50% सीधी भर्ती द्वारा	(1) सहायक भौतिकि नियमण (भारत) (2) जीव एकावेदन (3) भेवज गुण विभागी जिसके अपनी भौतिकि में 5 वर्ष नियमित सेवा की है।	(जीवति पर विचार करने के लिए) समूह "क" वि० प्र० स० में निम्ननियुक्ति होते हैं— 1. प्रध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा भायोग—प्रध्यक्ष 2. सचिव/संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य मंत्रालय—सदस्य	प्रोलति, सीधी भर्ती करने समय और इन नियमों के किसी उपबन्ध के संशोधित/शिथित करने समय संघ लोक सेवा भायोग से परामर्श किया
प्रायुः नहीं ग्रीष्मिक अर्द्धवर्षां : हां	2 वर्ष				

9

10

11

12

13

14

3. स्वास्थ्य सेवा महानिवेदन आएगा ।
 याक—सदस्य (पुस्टि पर
 विचार करने के लिए)
 समृद्ध “क” विंप्रो०स० में
 निम्नलिखित होंगे :—

- (1) सचिव, स्वास्थ्य भंता-
 लय —प्रधानमंत्री
- (2) संयुक्त सचिव,
 स्वास्थ्य मंत्रालय—सदस्य
- (3) स्वास्थ्य सेवा महा-
 निवेदन—सदस्य

टिप्पणी : पुस्टि से संबं-
 धित विभागीय प्रोफेशनि
 शमिति की कार्यकालियों
 संबंधी सेवा आयोग
 के अनुसारतार्थ भेजी
 जाएंगी । किन्तु यदि
 आयोग इनका अनुसारता
 नहीं करता है तो,
 विभागीय प्रोफेशनि
 शमिति की बैठक संघ
 लोक सेवा आयोग के
 प्रधान वा किसी सदस्य
 की अनुसारता में फिर
 स होंगी ।

[मं० ८-१२०१८/५/८०—डी एम एम एण्ड वी एफ ए]

जी० पंचपक्षीन, मध्य सचिव

(Department of Health)

New Delhi, the 23rd June, 1981

G.S.R. 620.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Central Drugs Standard Control Organisation in the Directorate General of Health Services (Class I and Class II Posts) Recruitment Rules, 1973, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment of certain Group A posts in the Central Drugs Standard Control Organisation in the Directorate General of Health Services, Organisation in the Directorate General of Health Services, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Central Drugs Standard Control Organisation Recruitment Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number, classification and scale of pay.—The number of the said posts, their classification and scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

5. Disqualifications : No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any of the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax : Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Saving : Nothing in these rules affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other Special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
1. Drugs Controller (India)	1	General Central Service Group 'A' Gazetted	Rs. 2000-125/2-2500.	Selection	Not exceeding 50 years (Relaxable for Government servant upto 5 years) Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep)	No	<p>Essential :</p> <p>(i) Post-graduate degree in Chemistry/Pharmaceutical Chemistry/Bio-chemistry/Pharmacy/ Pharmacology of a recognised University or equivalent</p> <p>(ii) 15 years experience in dealing with problems connected with drugs standardisation and control of drug standards</p> <p>OR</p> <p>15 years' experience either in the manufacture or testing of drugs in a concern of repute.</p> <p>Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidate otherwise well qualified.</p> <p>Note 2 : The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes if, at any stage of selection the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience</p>

1

2

3

4

5

6

7

8

are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Desirable :

Adequate experience of administration of the Drugs and Cosmetics Act 1940 and the Rules made thereunder and/or of manufacture and testing of drugs and/or dealing with problems connected with import and export of drugs.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of probation, if any	Method of recrt. whether by direct recrt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of vacancies to be filled by various methods	In case of recrt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P. S.C. is to be consulted in making recrt.
---	-----------------------------	---	--	--	--

9	10	11	12	13	14
Age : No Educational Qualifications : Yes.	2 years	By promotion failing which by direct recruitment	Promotion : Deputy Drugs Controller (India) and Deputy Drugs Controller (India) (New Drugs) with five years regular service in the grade.	<p>1. Group 'A' DPC (for considering promotion) comprising of :—</p> <p>(i) Chairman/Member—Union Public Service Commission—Chairman</p> <p>(ii) Secretary, Ministry of Health—Member</p> <p>(iii) Joint Secretary Ministry of Health—Member.</p> <p>(iv) Director General of Health Services—Member</p> <p>2. Group 'A' DPC (for considering confirmation) comprising of—</p> <p>(i) Secretary, Ministry of Health—Chairman</p> <p>(ii) Joint Secretary, Ministry of Health—Member</p> <p>(iii) Director General of Health Services—Member.</p>	Consultation with Union Public Service Commission necessary while making promotion, direct recruitment and amending / relaxing any of the provisions of those rules.

Note : The proceedings of the DPC relating to confirmation shall be sent to the Union Public Service Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the DPC to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.

1	2	3	4	5	6	7	8
2. (i) Deputy Drugs Controller (India)—6.	7	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 1500-60-1800.	Selection	Not exceeding 50 years (Relaxable for Government Servants upto 5 years).	No	(a) For the posts of Deputy Drugs Controller (India). Essential : (i) Post-graduate degree in Chemistry/Pharmaceutical Chemistry/Biochemistry/pharmacology of a recognised University or equivalent. (ii) 12 years' experience in dealing with problems connected with drug standardisation and control of drug standards. OR 12 years' experience either in the manufacture or testing of drugs in a concern of repute.
(ii) Deputy Drugs Controller (India) (New Drugs)—1.					Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (Other than those in the Andaman and Nicobar Island and Lakshadweep).		Note 1. : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. Note 2. : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission, is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. Desirable : Adequate experience of administration of the Drugs and Cosmetics Act and the Rules thereunder and/or of manufacture and testing of drugs and/or dealing with problems connected with Import and export of drugs

1

2

3

4

5

6

7

8

(b) For the post of Deputy Drugs Controller (India) (New Drugs).

Essential :

(i) A recognised medical qualification included in the First or the Second Schedule or Part II of the Third Schedule (other than Licentiate qualifications) to the Indian Medical Council Act, 1956. Holders of Educational qualifications included in Part II of the Third Schedule Should also fulfil the conditions stipulated in sub-section 3 of section 13 of the Indian Medical Council Act, 1956.

(ii) Post-graduate degree in Pharmacology of recognised University or equivalent.

(iii) 8 years' experience in the planning of clinical trials including drawing of protocols of the trials and designing of suitable proforma ;

OR

8 years' experience in the screening of pre-clinical data and examination of clinical information on 'New Drugs'.

Desirable :

Adequate experience of administration of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 and/or of manufacture and testing of drugs and knowledge of procedures for approval of New Drugs and/or drawing up of standards of drugs.

Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.

2	3	4	5	6	7	8
						Note 2 : The qualifications regarding experience are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, if, at any stage of selection the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

9	10	11	12	13	14
Age : No Educational Qualifications : Yes.	2 Years	50 percent by promotion failing which by direct recruitment, 50 percent by direct recruitment.	Promotion : (i) Assistant Drugs Controller (India). (ii) Biochemist. (iii) Pharmacologist with 5 years' regular service in the respective grades.	1. Group 'A' DPC (for consultation considering promotion) with the Union comprising of— (i) Chairman/Member, Union Public Service Commission (ii) Secretary/Joint Secretary, Ministry of Health—Member. (iii) Director General of Health Services—Member. 2. Group 'A' DPC (for considering confirmation comprising of— (i) Secretary, Ministry of Health—Chairman. (ii) Joint Secretary, Ministry of Health—Member. (iii) Director General of Health Services—Member.	

1

Note : The proceedings of the OPC relating to confirmation shall be sent to the Union Public Service Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the DPC to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.

इस्पात और सान मंत्रालय

(खात्र विभाग)

नई दिल्ली, 20 जून, 1981

सा० का० नि० 621.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (वर्ग के और ख पद) भर्ती नियम, 1967 में और संगोष्ठन करते हुए एतदृव्याया निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रथमः—

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (वर्ग के और ख पद) भर्ती (तृतीय संगोष्ठन) नियम, 1981 होगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को लागू होंगे।

2. भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (वर्ग के और वर्ग ख पद) भर्ती नियम, 1967 की अनुसूची में—

(क) वरिष्ठ उप महानिदेशक (प्रधानलन) के पद से संबंधित क्रम सं० 2 के सामने, कालम 2 के अंतर्गत आई प्रविष्टि के मीने निम्नलिखित नोट जोड़ा जायेगा, प्रथमः—

“नोट: कार्यभार के अनुसार घट-बढ़ हो सकती है।”

(ख) उप महानिदेशक (भूवैज्ञान) के पद से संबंधित क्रम संख्या 5 के सामने कालम 2 के अंतर्गत आई प्रविष्टि के नीचे निम्नलिखित नोट जोड़ा जायेगा, प्रथमः—

“नोट: कार्यभार के अनुसार घट-बढ़ हो सकती है।”

[फा० सं० ए-12018/6/81 सान 2]
एच० एन० अर्थी अवर मन्त्रिव

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(Department of Mines)

New Delhi, the 20th June, 1981

G.S.R. 621.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Geological Survey of India (Group A and Group B Posts) Recruitment Rules, 1967, namely :—

1. (1) These rules may be called the Geological Survey of India (Group A and Group B posts) Recruitment (Third Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Geological Survey of India, (Group A and Group B Posts) Recruitment Rules, 1967—

(a) against serial number 2 relating to the post of Senior Deputy Director General (Operations), the following note shall be added below the entry under column 2, namely :—

“Note : Subject to variation depending on work-load.”;

(b) against serial number 5 relating to the post of Deputy Director General (Geology), the following note shall be added below the entry under column 2, namely :—

“Note : Subject to variation depending on work-load.”

[F. No. A-12018/6/81-M. 2]
H. L. ATTRI, Under Secy.

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 16 जून, 1981

सा० का० नि० 622.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कृषि मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग) के अधीन, केन्द्रीय कुक्कट प्रजनन फार्म हैसरपाटा में बढ़ाई और लोहार के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, प्रथमः—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भः—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम बढ़ाई और लोहार समूह “ग” पद केन्द्रीय कुक्कट प्रजनन फार्म हैसरपाटा भर्ती नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

3. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमात्रा:—उक्त पद का संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमात्रा ये होंगे जो इन नियमों से उपादान अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में विविष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अवृत्तावय आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अवृत्तावय और उससे संबंधित अन्य बातें ये होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 14 में विविष्ट है।

4. निरहृतावय—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, पा

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा:

परस्त विधि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू रहि विधि के अधीन अनुशेष्य है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार है, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. विधिल करने की शक्ति:—जहा केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहा, वह उसके लिये जो कारण है उस्के लिये विधिल करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबंध को, किसी वर्ग या प्रबंग के व्यक्तियों की आवश्यकता आवश्यक है कर सकेगी।

6. आवृत्ति:—इन नियमों का कोई भार ऐसे आरक्षणों और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जानियां, अनुसूचित जनजातियां और अन्य विशेष वर्ग के व्यक्तियों के लिये उपर्युक्त करना अपेक्षित है।

पद का नाम	पश्चों की वेतनमान	त्रिविकारण	वेतनमान	वेतन पद अधिकार	सीधे भर्ती किये जाने वाले सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों	व्यक्तियों के लिये आयु-सीमा के लिये अपेक्षित शैक्षणिक और अन्य अर्हताएँ
1	2	3	4	5	6	7
बड़ई और लोहार	*१एक	माध्यमिक केन्द्रीय सेवा ममृह "ग" (प्रगति- पत्रित) (अलिपिक वर्गीय)	३३०-८-३७०-१० ४००-८०-८०- १०-४८० रु०	लागू नहीं होता	.21—३५ वर्ष	ब्रिटिश संस्थान से बड़ई के द्विलोमा के साथ पशु फार्म प्रधिमाला कुक्कुट फार्म में कार्य करने का ५ वर्ष का व्यायाहारिक अनुभव प्राप्त हो।
*कार्यभार के अधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।						
सीधे भर्ती किये जाने परिवर्तन की वाले व्यक्तियों के लिये अधिकार यदि कोई विहित आयु और वै- लिक अर्हताएँ प्रोत्तित की जाता हैं।		भर्ती की पदनिधि वर्तीनिधि होगी या प्रोत्तित द्वारा या प्रतिनिधिका/स्थानांतरण द्वारा यदि विभिन्न विभिन्न पदनिधियों द्वारा भर्ती की देश में वे समिति हैं तो उसकी संरक्षण परिवर्तितियों में संबंधित श्रेणीयों जिनसे प्रोत्तित/पत्रित वाली विविध सेवाएँ प्राप्त होंगी।				
लागू होगी या नहीं						
लागू नहीं होता	२ वर्ष	स्थानांतरण द्वारा जिसके न हो सकते हैं वेतनमान पर सीधी भर्ती द्वारा।	केन्द्रीय कुक्कुट प्रजनन फार्मों के द्वारा केन्द्रों में कार्य करने वाले एसे बड़ई और लोहार से स्थानांतरण द्वारा जिन्होंने २८०-३५० रु० नियमित के वेतनमान में कम से कम ८ वर्ष की नियमित सेवा की है।	प्रोत्तित/पत्रित नियुक्ति/स्थानांतरण यदि विभागीय प्रांतमति द्वारा भर्ती की देश में वे समिति हैं तो उसकी संरक्षण परिवर्तितियों में संबंधित श्रेणीयों जिनसे प्रोत्तित/पत्रित वाली विविध सेवाएँ प्राप्त होंगी।	विभागीय प्रोत्तित समिति की संरक्षणा	भर्ती करने में किन विवरणों की संरक्षणा के साथ पशु फार्म प्रधिमाला कुक्कुट फार्म में कार्य करने का ५ वर्ष का व्यायाहारिक अनुभव प्राप्त हो।
८	९	१०	११	१२	१३	
लागू नहीं होता						

[सं० २६-४/८० एस० ई०-(ii)
एम० एस० कुराना, प्रबंध सचिव]

MINISTRY OF AGRICULTURE
(Department of Agriculture & Coop.)

New Delhi, the 16th June, 1981

G.S.R. 622.—In exercise of the powers conferred by the provision to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Carpenter-cum-Smith, Central Poultry Breeding Farm, Hesserghatta under the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture & Cooperation), namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules, may be called the Carpenter-cum-Smith Group 'C' post Central Poultry Breeding Farm, Hesserghatta Recruitment Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, Classification and Scale of Pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in column 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment to the said post, age limit qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in column 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification : No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
(b) Who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Carpenter-cum-Smith	*1 (One)	General Central Service Group 'C' (Non-Gazetted) (Non-Ministerial).	Rs. 330-8-370-10-400-EB-10-480	Not applicable	21-35 years	Diploma in Carpentry from any Industrial Training Institute with 5 years practical experience in working in any livestock farm preferably in a poultry farm.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recrt. whether by direct recrt. or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recrt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P. S.C. is to be consulted in making recrt.	
Not applicable	8	9	10	11	12	13
	2 years	By transfer failing which by direct recruitment.	Transfer from the Carpenter-cum-Smith working in various other centres of Central Poultry Breeding Farms who have put in at least 8 years regular service in the grade of Rs. 260-350.	The composition of D.P. C. : 1. Director—Chairman. 2. Senior most officer of the Farm—Member. 3. One outside Gazetted Officer preferably belonging to Scheduled Caste—Member.	Not Applicable	

[No. 26-4/80-L.D. II]
M. S. KHURANA, Under Secy.

CORRIGENDUM

New Delhi, the 20th June, 1981

शुद्धिपत्र
नई दिल्ली, 20 जून, 1981
स्टॉ क्रा० नि० 623.—इस विभाग की 24 अप्रैल, 1981 की इसी संलग्न की प्रधिसूचना में सम्बन्धी मार्गित्यकी परियोजना, बम्बई में वर्किंट तकनीकी सहायक (मार्गिकी) के पद के भर्ती नियमों के प्रकाशन की अनुसूची के कालम 4 में वेतनमात्र “550-25-750-८० रो०-५०-९०० ह०” के स्थान पर “550-25-750-८० रो०-३०-९०० ह०” प्रतिस्थापित किया जाये।

[मं० 3-8/78-मार्गित्यकी (प्रणा०)]
मा० गुरिया, अध्यक्ष सचिव

G.S.R. 623.—In this Department's Notification of even number dated 24th April, 1981 publishing the recruitment rules for the post of Senior Technical Assistant (Statistics) in the Exploratory Fisheries Project, Bombay, in column 4 of the Schedule the pay scale of “Rs. 550-25-750-EB-50-900” may please be substituted by “Rs. 550-25-750-EB-30-900”.

[No. 3-8/78-Fy(Adm)]
S. GURIA, Under Secy.

नौद्यहन और पैरिवहन मंत्रालय

(सीमा सङ्क विकास बोर्ड)

नई दिल्ली, 15 जून, 1981

स्टॉ क्रा० नि० 624.—गण्डपति, मविद्यालय के अनुस्कृद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सीमा सङ्क विकास बोर्ड में समूद्र 'क' और समूद्र 'ग' परों पर भर्ती की पद्धति का विविधान करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् —

1. सकिल नाम श्रीर प्रारम्भ—(1) इन नियमों का मंत्रिल नाम सीमा सङ्क विकास बोर्ड समूद्र 'क' और समूद्र 'ग' पर भर्ती नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लागू होना :—ये नियम इससे उपायदृष्ट भ्रतसूची के संबंध 1 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे।

3. पद संख्या वर्गीकरण और वेतनमानः—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के मात्रम् 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की पद्धति आयु-सीमा, अर्हताये आदि—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताये और उनसे संबंधित प्रत्यक्ष गाने के हांगी जो पूर्वोक्त पनुस्ती के स्तरम् 5 से 13 में विविष्ट है।

5. निरर्हतायेः—वह व्यक्तिः—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(c) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है;

उक्त पद पर नियमित का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यह केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के प्रधीन अनुरोध है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इन नियम के प्रवर्तन से छुट्ट दे सकेगी।

6. पिधिल करने की भक्ति—जहां केंद्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, उसके लिये जो कारण हैं उन्हें नेतृत्व दूर करके तथा सभ सांक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी बंग या प्रवर्ग से व्यक्तियों या पदों की आवत, आदेश द्वारा, पिधिल कर सकेगी।

7. व्यावृत्ति—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, प्रायु-नीमा में कूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं आपेगी, जिनका केन्द्रीय भरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाफियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिये उपर्यंग करना प्रपेक्षित है।

अनसूची

नौवहन और परिवहन मंत्रालय के मी/म०विं०दो० में अधिक्षेषण हंजीनियर (सिविल) और कार्यपालक हंजीनियर (मिलियल) के पद के लिए भर्ती नियम

1	2	3	4	5	6	6(क)	7
1. अधीक्षण इंजीनियर (नियित)	1	माधारण केन्द्रीय सेवा, ममृह 'क' राजपत्रिन आन्पिकवर्गीय	1500-60-1800 लागू नहीं होता ममृह 'क' राजपत्रिन 100-2000 रु	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
2. कार्यपालक इंजीनियर (नियित)	4	माधारण केन्द्रीय सेवा, ममृह 'क' राजपत्रिन आन्पिकवर्गीय	1100-50-1600 लागू नहीं होता ममृह 'क' राजपत्रिन रु	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
सीधे भर्ती किए जाने परिवीक्षा की शाखे व्यवित्रियों के लिए अवधि यात्रि कोई विहित आदू और शैक्षिक हो से रहता है और श्रेष्ठता में लागू होनी या नहीं	भर्ती की पद्धति/भर्ती सोधे होती या प्रोशनि द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियां प्रदातियों द्वारा भर्ती किए जाने वाली विवितश्रेणी की प्रनिषेदता	प्रोश्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोश्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय, प्रोश्ति समिति है तो उसकी संरचना भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा शायोग से परामर्श किया जाएगा				
8	9	10	11	12	13		
लागू नहीं होता।	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण ; केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों के अधीन ऐसे अधिकारी, जो निम्नलिखित पक्षि के पद धारण कर रहे हैं :	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण पर नियुक्ति के लिये किसी अधिकारी का चयन करते समय और इन नियमों के किसी उपबंध को संशोधित/शिल्पित करते समय संघ लोक		
			(क) (i) अधीक्षण इंजीनियर या समतुल्य ;				
			या				

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	(ii) ऐसा कार्यपालक हूंजीनियर या समतुल्य, जिसने उम श्रेणी में 5 वर्ष सेवा की है; और	मेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा।	
			(ख) जिसके पास किसी माध्यमा- प्राप्त विषयविद्यालय की सिविल हूंजीनियरी में उपाधि या समतुल्य है।		
			(प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः 4 वर्ष से अधिक नहीं होती)		
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों के ग्रामीन एसे अधिकारी, जो निम्नलिखित पक्षि के पद धारण कर रहे हैं:	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्था- नान्तरण पर मियुक्ति के लिये किसी अधि- कारी का चयन करते समय और इन नियमों के किसी उपबंध की संशोधित/शिथिल करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जायेगा।	
		(क) (i) कार्यपालक हूंजीनियर या समतुल्य, या			
		(ii) ऐसा सहायक कार्यपालक हूंजीनियर, जिसने उम श्रेणी में 5 वर्ष सेवा की है;			
		(iii) ऐसा सहायक हूंजीनियर, जिसने उम श्रेणी में 8 वर्ष सेवा की है, और			
		(ख) जिसके पास किसी माध्यमा- प्राप्त विषयविद्यालय की सिविल हूंजीनियरी में उपाधि या समतुल्य है।			
		(प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होती)			

1	2	3	4	5	6	6(क)	7
3. अधीक्षक पुल/सड़क श्रेणी I विद्युत/यंत्र श्रेणी I सर्वेशक	7	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'ग', भारतजनपदित असियिकवर्गीय	650-20-650- समूह 'ग', भारतजनपदित 25-750 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा केन्द्रीय सरकार के ग्रामीन केन्द्रीय लोक नियमित विभाग/सेवा हूंजीनियरी भेजा/माधारण दिजिव हूंजीनियरी बल या अन्य हूंजीनियरी सेवाओं के अधीक्षक पुल/सड़क श्रेणी I या समतुल्य श्रेणी/सर्वेशक सहायक श्रेणी I की श्रेणी से प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा।	लागू नहीं होता	भर्ती नियमों के किसी उपबंध को संशोधित करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना मात्र यक्षिणा।	

(प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः तीन वर्ष से अधिक नहीं होती)

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Border Roads Development Board)

New Delhi, the 15th June, 1981

G.S.R. 624.—In exercise of the powers conferred by the provision to Article 309 of the constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Gp 'A' and Gp 'C' posts in the Border Roads Development Board, namely:—

1. Short title and commencement.—(i) These rules may be called the Border Roads Development Board Gp 'A' and Gp 'C' posts Recruitment Rules, 1981.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule hereeto annexed.

3. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of Recruitment, age limit, qualification etc.—The method of recruitment to the said posts, age limit and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

5. Disqualifications.—No person,—

(a) Who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) Who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said posts:

Provided the Central Government may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such a persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Powers to relax.—Where the Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provision of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Savings.—Nothing in these rules shall effect reservations and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Schedule Casts, the Scheduled Tribes and other categories in accordance with the orders issued by the Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment Rules for the post of Superintending Engineer (Civil) in Ministry of Shipping and Transport and Executive Engineer (Civil) BRDB

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits.	Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of CCS (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	6a	7
1. Superintending Engineer (Civil)	1	General Central Service Group 'A' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 1500-60-1800-100-2000.	N.A.	N.A.	N.A.	N.A.
2. Executive Engineer (Civil)	4	General Central Service Group 'A' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 1100-50-1600	N.A.	N.A.	N.A.	N.A.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruitment will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of rectt. whether by direct or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.-S.C. is to be consulted in making rectt.		
N.A.	N.A.	By transfer on deputation	Transfer on deputation : Officers under the Central/ State Govts. holding posts of the rank of :	N.A.	The UPSC shall be consulted while selecting an officer for appointment on transfer on deputation and amending/relaxing any of the provision of these rules.		
			(a) (i) Superintending Engineer or equivalent; or (ii) Executive Engineer or equivalent with 5 years' service in the grade; and (b) Possessing degree in Civil				

8	9	10	11	12	13
N.A.	N.A.	By transfer on deputation	Engineering of a recognised University or equivalent. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 4 years).	Transfer on deputation : Officers under the Central/ State Govts. holding posts of the rank of : (a) (i) Executive Engineer or equivalent; or (ii) Asstt. Executive Engineer with 5 years' service in the grade; or (iii) Asstt. Engineer with 8 years' service in the grade; and (b) Possessing degree in civil engineering of a recognised university or equivalent. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	N.A. The UPSC shall be consulted while selecting an officer for appointment on transfer on deputation and amending/relaxing any of the provisions of these Rules.

Recruitment rules for the Technical Officers/Staff Employed in B.R.D.B. for Technical Examination of Works

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruitment	Whether benefit of added years of service admissible under Rule 30 of CCS (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	6a	7
Supdts. B/R Grade I E/M Grade I SA Grade I	7	General Central Service Group C	Rs. 550-20-650-25-750	N.A.	Not applicable	Not applicable	Not applicable
Non-Gazetted Non-Ministerial							

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotions	Period of probation, if any	Method of recrtt. whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recrtt. by promotion/deputation/transfer grants from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.-S.C. is to be consulted in making recrtt.
--	-----------------------------	---	--	--	---

8	9	10	11	12	13
Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation	By transfer on deputation from the grade of Supdts. B/R Grade I or equivalent Grade/S.A. Grade I from Central Public Works Department/MES/GREF or other Engineer Services under Central Government (Period of deputation ordinarily not exceeding three years).	Not applicable	Consultation with UPSC shall be necessary while amending/any provision of the recruitment rules.

बात के हाने हुए थी, ऐसी व्यासी जो समझ ना या किसी राज्य के विधान मंडल का मरम्म है, समद (तिरहंसा निवारण) प्रधिनियम, 1959 (1959 का 10) की दारा 3 के अंडे (क) में प्रधारिभाषित प्रतिकागतम भत्ते से भिन्न या ऐसे भत्तों से यदि कोई हो, जिन्हे किसी राज्य के विधान मंडल का कोई मदरस्य राज्य विधान मंडल थी मदम्यना की तिरहंसा निवारण से संबंधित गज्य में नवमय पत्र किसी विधि के प्रधीन, अर्थात् तिरहंसा उपगति किए विना प्राप्त करना है, जिस फैसले के बारे नहीं होगा।

7 नियम श्री व्यावृत्ति—इन नियमों के प्रकाशन की तारीख में इसमें उपगति अनुसूची में अंगित नियम इसमें हांग नियमित किए जाते हैं।

(2) ये नियम विधान के हाने हुए थी, उन नियमों के प्रधीन की गई कोई वान या की गई कोई कार्रवाई या किया गया कोई आदेश या किया गया कोई नियेश उन नियमों के नवम्यनी उपगति के अंगित व्याविधि की गई किया गया या दिया गया समझा जाएगा।

अनुसूची

(नियम 7 विधियां)

क्रम नियमित नियमों के नाम
मुद्रा

- महाराष्ट्र व्यास (व्यापियों को फैसले और भत्तों का सदाय) नियम, 1964
- मार्गुगांधी पत्तन व्यास (व्यापियों को फैसले और भत्तों का सदाय) नियम, 1964
- परार्द्ध पत्तन व्यास (व्यापियों को फैसले और भत्तों का सदाय) नियम, 1967
- मुक्तियोद्धा व्यासी बोर्ड (व्यापियों को फैसले और भत्तों का सदाय) नियम 1975
- ठवाताना पत्तन व्यासी बोर्ड (व्यापियों को फैसले और भत्तों का सदाय) नियम 1975
- मदगांव पत्तन व्यासी बोर्ड (व्यापियों को फैसले और भत्तों का सदाय) नियम 1975
- जनाकार्यन पत्तन व्यासी बोर्ड (नार्मा, ना फैसले और भत्तों का सदाय) नियम 1979
- नव समव्योग पत्तन व्यासी बोर्ड (व्यापियों 70 कर्म और भत्तों का सदाय) नियम, 1980

[पृष्ठ ०/उद्यू० भाजा०/८८-२५/८०]
पृष्ठ ० आरा० गवर्नर, प्रबंग मंत्री

New Delhi, 23rd June, 1981

G.S.R. 626.—The following draft of the Major Port Trusts (Payment of Fees and Allowances to Trustees) Rules, 1981 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred on it by sub-section (1) of section 122 read with section 18 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), is hereby published, as required by sub-section (2) of the said section, for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of a period of forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft, before the expiry of the said period, will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

1. Short title and Application.—(1) These rules may be called the Major Port Trusts (Payment of Fees and Allowances to Trustees) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) They shall, subject to the provisions of section 18 of the Act, apply to the Port Trust Boards of Calcutta, Bombay, Madras, Cochin, Visakhapatnam, Kandla, Mormugao, Paradip, Tuticorin and New Mangalore.

2. Definitions.—Unless the context otherwise requires,—

(a) 'Act' means the Major Port Trusts Act, 1963, (38 of 1963);

(b) words and expressions used in these rules have the meanings respectively assigned to them in the Act.

3. Fees payable.—Every Trustee of the Board other than the Chairman and also Deputy Chairman, where appointed, or any other Trustee who is a servant of the Government or servant of the Board, shall be entitled to a fee of—

(i) rupees fifty for attendance of each ordinary or special meetings of the Board;

(ii) rupees thirty for attendance at each meeting of any committee, other than the meeting of the Committee held on the same day in continuation of or preparatory to an ordinary or special meeting of the Board :

Provided that, the aggregate amount of fees payable to any Trustee in respect of the meetings of the Board and, or the Committees held during any calendar month shall not exceed rupees two hundred in the case of Calcutta and Bombay Ports and rupees one hundred and fifty in the case of other ports.

Note : A Trustee present at or for any meeting of the Board or Committee thereof shall sign his name in a book or register to be kept for the purpose.

4. Payment of Travelling Allowance.—(1) All outstation Trustees other than those who are servants of the Government or the servants of the Board, attending any meeting of the Board or of any of its Committee shall in addition to such as is payable under rule 3, be entitled to receive travelling allowance on the scale applicable to the highest class of officers of the Central Government.

(2) All outstation Trustees, other than those who are servants of the Government or the servants of the Board attending any meeting of the Board or of any of its Committee shall, in addition to such fees as is payable under rule 3 and travelling allowance, also be entitled to receive daily allowance at the rate applicable to the highest class of officers of the Central Government for the period of journey performed to and from the place of Board or Committee meeting and Headquarters.

Note I. For the purpose of daily allowance, the period of journey by the shortest possible route and from the place of Board or Committee meeting and the Headquarters, shall be taken as the period of journey.

Note II. The Headquarters for the purpose of this rule shall be the normal place of residence of the Trustee.

5. Payment of certain allowances to a Trustee who is a Government Servant or the servant of the Board.—A Trustee who is a servant of the Government or a servant of the Board and who attends any meeting of the Board or of any of its Committees shall be entitled to receive travelling allowance and daily allowance in accordance with the provisions of the service rules applicable to him.

6. Payment of certain allowances to a Trustee who is a member of Parliament or of the Legislature of a State.—Notwithstanding anything contained in rule 3 and 4, a Trustee who is also a member of Parliament or of the Legislature of a State, shall not be entitled to any fees other than the compensatory allowance as defined in clause (a) of section 2 of the Parliament (Prevention of Disqualifications) Act, 1958 (10 of 1959) or, as the case may be, other than the allowances, if any, which a member of the Legislature of the State may, under any law for the time being in force in the State relating to the prevention of disqualification of membership of the State legislature, receive without incurring such disqualification.

7. Repeal & Savings.—On and from the date of publication of these rules the rules mentioned in the Schedule annexed hereto are hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal anything done or any action taken or any order made or directions given under the said rules shall be deemed to have been done, taken, made or given, as the case may be, under the corresponding provision of these rules.

SCHEDULE
(See rule 7)

Sr. No.	Title of the rules repealed
1	2
1. Major Port Trusts (Payment of Fees and Allowances to Trustees) Rules, 1964.	
2. Mormugao Port Trust (Payment of Fees and Allowances to Trustees) Rules, 1964.	

1 2

3. Paradip Port Trust (Payment of Fees and Allowances to Trustees) Rules, 1967.
4. Board of Trustees of the Port of Bombay (Payment of Fees and Allowances to Trustees) Rules, 1975.
5. Board of Trustees of the Port of Calcutta (Payment of Fees and Allowances to Trustees) Rules, 1975.
6. Board of Trustees of the Port of Madras (Payment of Fees and Allowances to Trustees) Rules, 1975.
7. Board of Trustees of the Port of Tuticorin (Payment of Fees and Allowances to Trustees) Rules, 1979.
8. Board of Trustees of the Port of New Mangalore (Payment of Fees and Allowances to Trustees) Rules, 1980.

[PW]PGL-25/80
M. R. GATHWAL, Under Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई विमली, 4 जून, 1981

सांकेतिक 627.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तुत द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विजाय और दृश्य प्रचार निवेशालय (समूह "क" पद) भर्ती नियम, 1971 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अधीतः—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम विजायन और दृश्य प्रचार निवेशालय (समूह "क" पद) भर्ती संशोधन नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।

2. विजायन और दृश्य प्रचार निवेशालय (समूह "क" पद) भर्ती नियम, 1971 की अनुसूची में क्रम संख्या 14 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी, अधीतः—

अनुसूची

पद का नाम	पद की संख्या	वर्गीकरण	बेततमाला	अधिन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले अधिकारी व्यक्तियों के लिए प्राप्य अधिन पद	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विशेष और अन्य सेवा (पैकान) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुसूची हैं या नहीं
-----------	--------------	----------	----------	---------	--	-----------------------------------	-----------------------------------	---

1	2	3	4	5	6	6क	7
14. वरिष्ठ कापी-राइटर	1	साधारण केंद्रीय सेवा, समूह "क", राजपत्रित	1500-60-1800 रुपए	लागू नहीं होता	45 वर्ष से अधिक नहीं सरकारी सेवकों के लिए शिक्षित की जा सकती है) टिप्पणी : प्राप्य सीधा अवधि संस्थान करने के लिए नियन्त्रिक तारीख, भारत में रहने वाले प्राप्तियों से (उनसे भिन्न जो अन्दरामान और निकोबार द्वीप सम्बन्धीय में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अवधि तारीख होगी।	नहीं	प्रावधानक :

- (1) किसी भार्यताप्राप्त विद्युत विद्यालय से अपेक्षी में मास्टर फी उपाधि।
- (2) किसी समाजारपत्र/नियन्त्रिकालिक पत्रिका के विज्ञापन विभाग या किसी उत्तरातिप्राप्त वाणिजिक फर्म या सरकार के अधीन ऐसे ही किसी संगठन में पर्यावरणी हैसियत में आठ वर्ष का अनुभव और सूत्रनाट्यक सेवन में तीन वर्ष का अनुभव।

टिप्पण : (1) अर्हताएं, अन्यथा सुप्रिष्ठ अभ्यर्थियों के मामले में सेवा सेवा प्राप्तीयों के विवेकानुसार शिक्षित की जा सकती है।

1

2

3

4

5

6

6क

7

(2) अनुभव संबंधी अहंता (अहंताएं) संघ लोक सेवा प्रायोग के विवेकानन्दमार अनु- सूचित जनजातियों और अनु- सूचित जनजातियों के प्रभ्य- पियों के मामले में उस दशा में विधिवाली जा सकती है (है), जबकि चयन के किसी प्रत्राम पर संघ लोक सेवा प्रायोग की यह राय हो कि इनके लिए आरक्षित रिक्त स्थानों को भरने के लिए आरक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के प्रभ्यर्थी पर्याप्त संख्या में उपनिवेश नहीं हो सकेंगे।

बांधीय :

- (1) प्रचार और प्रकारिता के नार्य का अनुभव।
- (2) हिन्दी का कार्यसाधक नाम।

सीधे भर्ती किए जाने वाले परिवीक्षा की भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होनी प्रोत्तिप्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण यदि विभागीय प्रोत्तिप्रतिनियुक्ति समिति भर्ती में किन पर्याप्तियों के लिए विहित प्रबन्धित किए जाने वाले भर्ती की दशा में ऐ विभिन्न विभिन्न स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न विभिन्न स्थानों से प्रोत्तिप्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किए जाने वाली रिक्तियों की प्रतिवेतता कोई हो

या प्रोत्तिप्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में ऐ विभिन्न विभिन्न स्थानों से प्रोत्तिप्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में ऐ विभिन्न विभिन्न स्थानों से प्रोत्तिप्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।

लागू नहीं होता

2 वर्ष

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा (जिसके आलांगत अल्प- कालिक संविदा भी है) जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण- (जिसके भलांगत अल्पकालिक संविदा भी है) :—

(1) केन्द्रीय सरकार/ राज्य सरकारों लोक उपकरण, अर्थ- सरकारी, स्वशासी या कानूनी संगठनों के ऐसे अधिकारी—

(क) (1) जो सदृश पद प्राप्त किए हैं ; या (2) जिनमें 1100-1600 रुपए के या समातुल्य बेतनमात्र वाले पदों पर 5 वर्ष से भी कम हैं ; और

(क्ष) जिनके पास स्तम्भ 7 के अधीन सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अधिकारित प्रकार की अहंताएं और अनुभव हैं। (प्रतिनियुक्ति/संविदा की प्रबन्धि सामान्यतः 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी)

(सीधे भर्ती किए गए व्यक्ति— प्रत्येक अवसर पर चयन की पुष्टि पर विचार करने के संघ लोक सेवा प्रायोग लिए) समूह “क” विभा- के परामर्श से किया गीय प्रोत्तिप्रतिनियुक्ति :— जाएगा। इन नियमों

1. संयुक्त सचिव, सूचना के किसी उपबन्ध को और प्रसारण मंत्रालय— संशोधित/विधिय अध्यक्ष करते समय भी प्रायोग

2. निदेशक, विज्ञापन और से परामर्श प्राप्तवाल्य प्रबाल निदेशालय होगा।

—सदस्य

3. निदेशक, प्रकाशन प्रभाग

—सदस्य

टिप्पण : पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोत्तिप्रतिनियुक्ति समिति की कार्यवाहिया, प्रायोग के अनुमोदनार्थी भेजी जाएंगी। किन्तु यदि प्रायोग इनका अनुमोदन नहीं करता है तो, विभागीय प्रोत्तिप्रतिनियुक्ति की बैठक संघ लोक सेवा प्रायोग के अध्यक्ष या किसी सचस्य की अध्यक्षता में किए जाएंगी।

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 4th June, 1981

G.S.R. 627.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Directorate of Advertising and Visual Publicity (Group 'A' posts) Recruitment Rules, 1971, namely :—

1. (i) These rules may be called the Directorate of Advertising and Visual Publicity (Group 'A' posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1981.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. In the Schedule to the Directorate of Advertising and Visual Publicity (Group 'A' posts) Recruitment Rules, 1971, for serial number 14 and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be substituted, namely :—

SCHEDULE

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	6(a)	7
14. Senior Copy Writer.	1	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 1500-60-1800.	Not applicable	Not exceeding 45 years. (Relaxable for Government servants).	No.	Essential : (i) M.A. in English from a recognised University. Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). Note 1 : Qualifications are relaxable at the discretion of the U.P. S.C. in case of candidates otherwise well qualified. Note 2 : The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the UPSC in the case of candidates belonging to scheduled castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the U.P.S.C. is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available

1	2	3	4	5	6	6(a)	7
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recrt. or by promotion or by deputation/ transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recrt. by promotion/deputation/transfer, grants from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what are the circumstances in which UPSC is to be consulted in making recrt.	to fill up the vacancies reserved for them.	Desirable :	(i) Experience of publicity and journalistic work. (ii) Working knowledge of Hindi.
Not applicable	2 years	By transfer on deputation (including short-term contract) failing which by direct recruitment.	Transfer on deputation (including short-term contract) : 1. Officers from the Central/ State Govts. Public Undertakings, Semi-Govt. Autonomous or Statutory Organisations. (a) (i) holding analogous posts or (ii) with 5 years service in posts in the scale of Rs.1100-1600 or equivalent; and (b) possessing the educational qualifications and experience of the type laid down for direct recruits under Column 7. (Period of deputation/contract shall ordinarily not exceed 4 years).	Group 'A' : Departmental Promotion Committee (for considering confirmation of a direct recruit): 1. Joint Secretary, Ministry of P & B-Chairman 2. Director, D.A.P.V.—Consultation Member 3. Director, DPD—Member.	Selection on each occasion shall be made in consultation with the Union Public Service Commission.	Note : The proceeding of the DPC relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission, a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the UPSC shall be held.	
8	9	10	11	12	13		

[No. A-12026/4/76-Est/DS(I)]
S. K. NAIK, Dy. Secy.

महिला, 8 जून, 1981

सांकेतिक 628—संविधान के अनुच्छेद 309 के परम्परा द्वारा प्रवस्त्र अधिकारी का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, केन्द्रीय सूचना सेवा नियम, 1959 में और संशोधन करने के लिए एतत्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अधिकृत:—

1. (1) इन नियमों को केन्द्रीय मूलना देवा (द्वितीय संशोधन) नियम, 1981 कहा जाएगा।

सांकेतिक 217 (सी.आई.एस.) दिनांक 16 फरवरी, 1959 के अन्तर्गत अधिसूचित : याद में इन नियमों के 80 संशोधन अधिसूचित किए गए थे और इसलिए फूट नोट में सभी संशोधनों के राजपत्र संदर्भ आमिल करना दुर्बुल है।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रदूष देंगे।

2. नेत्रीय सूचना सेवा नियम, 1959 में:—

(क) नियम 6 में, खंड (प) के उपखंड (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपखंड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अधिकृत:—

“(2) भर्ती

इस खंड में सभी रिक्तियां खंड-2 में उपर्युक्त पदों को व्यापक करते थाले अधिकारियों में से विभागीय पदोंसमेत समिति की सिफारिशों पर प्रवरता योग्यता के आधार पर प्रोत्साहित द्वारा भरी जाएंगी”;

(घ) अनुसूची 8 में, खंड 3 को सुन्न कर दिया जायेगा।

[फाइल सं. ए-42012/5/78-सी.आई.एस. संशोधन सं. 81]

New Delhi, the 8th June, 1981

G.S.R. 628.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Information Service Rules, 1959,* namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Information Service (Second Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Information Service Rules, 1959:—

(a) in rule 6, for sub-clause (ii) of clause (D), the following sub-clause shall be substituted, namely:—

“(ii) Recruitment

All the vacancies in this grade shall be filled by promotion on the basis of seniority-cum-fitness on the recommendations of the Departmental Promotion Committee from amongst officers holding duty posts in Grade II”;

(b) in Schedule VIII, clause 3 shall be omitted.

[F. No. A-42012/5/78-CIS Amendment No. 81]

*Notified under G.S.R. 217 (CIS) dated the 16th February, 1959. Subsequently eighty amendments to these rules were notified and, as such, it is unwieldy to include the Gazette reference of all the amendments in the foot-note.

नई दिल्ली, 18 जून, 1981

स्तरोंकार्य 629.—केन्द्रीय सरकार, प्रेस परिषद् नियम, 1978 (1978 का 37) की आरा 25 द्वारा प्रवस्थ शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रेस परिषद् नियम, 1979 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

1. (i) इन नियमों का नाम प्रेस परिषद् (संशोधन) नियम, 1981 है।

(ii) ये राजपत्र में प्रकाशन की सारीक को प्रवृत्त होंगे।

2. प्रेस परिषद् नियम, 1979 में,

((i) नियम 4 को उसके उपनियम (1) के रूप में पुनःसंपादित किया जाएगा।)

((ii) इस प्रकार पुनःसंपादित उपनियम (1) में “75 रुप्रतिदिन की दैनिक भत्ता” और शब्दों के स्थान पर “नब्बे रुपए अतिविधि की दूर से सर्वसमायेणी दैनिक भत्ता” शब्द रखे जाएंगे।

((iii) उपनियम (1) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम मान्त्रस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(2) परिषद् के बे सबस्थ जा परिषद् का स्थानीय कार्य करते हैं, अधिक से अधिक तीस रुपए प्रतिदिन तक बाहुन/बाहुन प्रभार के हक्कदार होंगे।”

[प्रा.सं. 4/2/78—प्रेस]

पी० क० जलाली, प्रब्र सचिव

New Delhi, the 18th June, 1981

G.S.R. 629.—In exercise of the powers conferred by section 25 of the Press Council Act, 1978 (37 of 1978), the Central Government hereby makes the following amendments to the Press Council Rules, 1979, namely:—

1. (i) These rules may be called Press Council (Amendment) Rules, 1981.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Press Council Rules, 1979,

(i) rule 4 shall be renumbered as sub-rule (1) thereof;

(ii) in sub-rule (1) so re-numbered, for the words “a daily allowance at the rate of rupees seventy five per day” the words “an all-inclusive daily allowance at the rate of rupees ninety per day,” shall be substituted;

(iii) after sub-rule (1) the following shall be inserted, namely:—

“(2) Those members of the Council who attend to the work of Council locally, shall be entitled upto conveyance/hire charges upto a maximum of rupees thirty per day.”

[F. No. 4/2/78-Press]

P. K. JALALI, Under Secy.

पति और प्रवर्द्धन संबंध

(पुनर्वास विधान)

नई दिल्ली, 19 जून, 1981

स्तरोंकार्य 630.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परमुक्त द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति इसके द्वारा प्रति प्रति पुनर्वास संबंध एवं विधान विधान संबंधित कार्यकारण के कार्यकारण के बायाल के पर पर भर्ती की प्रदानियत करते हुए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संविधान नाम और प्रारम्भ—(1) ये नियम, विधान संवाहकार एवं मुद्रण लेखा अधिकारी, दण्डकारण विधान प्राधिकरण के कार्यालय में अधिकारी विधान संबंध भर्ती नियम, 1981 कहलाएंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की सारीक को लागू होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण और बेतनमात्र: पंथ की संख्या, हमका वर्गीकरण और बेतनमात्र संबंध अनुसूची के कालम 2 में 4 से दिए गए हैं।

3. भर्ती की पद्धति, अस्यु सीमा और योग्यताएं आदि:—उपर्युक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आस्यु सीमा, योग्यताएं और इससे संबंधित अन्य बारे उक्स

4. योग्यताएः—कोई व्यक्ति:—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो जिसका पति या पत्नी शीक्षित हो या

(ख) जिसने पति या पत्नी के जीवीत रहने किसी व्यक्ति से विवाह किया हो, उस पर पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा;

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उक्त व्यक्ति पर तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर जो वैयक्तिक कानून लागू होता है उसके प्रधीन ऐसा विवाह किया जा सकता है तथा ऐसा करने के और प्राधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छुट के सकती है।

5. रियायत देने की शक्ति—यदि केन्द्रीय सरकार की ऐसी राय हो कि ऐसा करना उचित या प्रावधार है तो वह लिखित कारणों के प्रधार पर आदेश देकर किसी भी शैक्षीय या वर्ग के व्यक्तियों के लिए इन नियमों के किसी भी उपरान्त में रियायत कर सकती है।

6. उपकादः—इन नियमों में दी गई कोई भी वास्तव अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य विवेचन वर्गों के व्यक्तियों को इस संदर्भ में केन्द्रीय सरकार द्वारा समर्प-समय पर जारी किये ग्राम्यों के प्राधार पर किये जाने वाले ग्राम्य ग्राम्य नीति, अन्य सीमा में छुट तथा अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं दालेगी।

लक्षण

पद का नाम	पदों की वर्गीकरण	वेतनधान	नयन पद है	सीधी भर्ती के लिए	कार्य, केन्द्रीय	सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों के
	संख्या		प्रबन्धाली	प्रायु सीमा	लिखित सेवा	मिल अपेक्षित शैक्षिक योग्यताएं
			नयन पद		(पेशन) नियमाली, 1972 के	
					नियम 30	
					प्रत्यर्गत सेवा के	
					प्रतिरक्षित वर्गों का	
					लाभ ग्राह्य है	

1	2	3	4	5	6	7	8
अधिलेखापाल	एक*	सामान्य केन्द्रीय	225-5-260-6-	नयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

*कार्यभार सेवा समूह 'ग'	290-८०८०-८-	नयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	परिस्थितियां, जिनमें
के प्राधार अराजपत्रित	308 द०				भर्ती के लिए संघ स्वीक
पर इसमें अलिपिकवर्गीय					सेवा शायोग का परा-
प्रत्यर्गत ही					मर्श निया जाना है
सकता है					

9	10	11	12	13	14
---	----	----	----	----	----

लागू नहीं होता	दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा	नयन प्रेड तथा सामान्य प्रेड के समूह 'ग' विभागीय पदोन्नति	लागू नहीं होता
----------------	---------	-----------------	--	----------------

लागू नहीं होता	दो वर्ष	पदोन्नति द्वारा	नयन प्रेड तथा सामान्य प्रेड के समूह 'ग' विभागीय पदोन्नति	लागू नहीं होता
			सप्तरी जिनकी निम्नलिखित गमिति जि सका गठन निम्नायां हों:—	
			(क) अनिवार्य : मिलिल पास (1) निवेशक (परिवहन (मामाल्य प्रेड) में वफतरी के व मशीनरी) —प्रधार	
			रूप में कम से कम पांच वर्ष की (2) उप विद्वीय सलाहकार सेवा या (धन्यन प्रेड) में वफतरी एवं भुद्ध नेत्रा अधिकारी के रूप में कम से कम चार वर्ष की सेवा ।	
			(3) महापक विद्वीय (क) अपेक्षित अवक्ष के नेत्री सलाहकार अध्यवा वैनम कार्य अंगेजी तथा हिन्दी में व लेखा अधिकारी करने की क्षमता ।	
				-- सवास्य

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION
(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 19th June 1981

G.S.R. 630.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Record Keeper in the Office of the Financial Adviser and the Chief Accounts Officer in Dandakaranya Development Authority under the Ministry of Supply and Rehabilitation (Department of Rehabilitation), namely :—

1. Short title and Commencement.—(1) These rules may be called the Record Keeper in the Office of the Financial Adviser and the Chief Accounts Officer, Dandakaranya Development Authority, Recruitment Rules, 1981

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, Classification and Scale of Pay.—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age-limit,

qualification and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 14 to the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to Relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing relax, any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruitment	Whether benefit of added year of service admissible under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972	Educational qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
Record Keeper	One Subject to vary- pendent on work load	General Central Service Group 'C' Non-gazetted Ministerial.	Rs. 225-5-260-6-290-EB-308.	Selection	Not applicable	Not applicable	Not applicable
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promoted	Period of probation,	Method of rectt. whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer grade from which promotion/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment		
9	10	11	12	13	14		
Not applicable	Two years	By promotion	Drafts both Selection Grade and Ordinary grade having the following qualifications namely :— A. Essential : Middle pass with minimum	Group C Departmental Promotion Committee comprising of : 1. Director (Transport and Machinery)—Chairman.			

